▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 374 ▸▸मुंबई, सोमवार, 23 मार्च 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

प्रधानमंत्री ने दी आपूर्ति सुनिश्चित करने की स्पष्ट दिशा

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिए कि पूरे देश में पेट्रोल, गैस और बिजली की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत बनाना, ईंधन की समय पर डिलीवरी और उद्योगों के लिए निर्बाध सप्लाई प्राथमिकता हो। इसके साथ ही उन्होंने मंत्रालयों को संभावित संकट की स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहने का आदेश दिया ।प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में यह भी स्पष्ट किया कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से उत्पन्न वैश्विक संकट भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है और इसके प्रभाव को कम करने के लिए अंतर-मंत्रालयीय तालमेल बेहद जरूरी है।

एनर्जी सेक्टर की समीक्षा

बैठक में पेट्रोलियम, पावर और फर्टिलाइजर क्षेत्रों की स्थिति का विशेष मूल्यांकन किया गया। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में तेल, गैस और बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उपभोक्ताओं और उद्योगों के हित में सप्लाई और स्टॉक मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान रखा जाए ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा और आवश्यकतानुसार रणनीतिक तेल भंडार का उपयोग किया जाएगा।

मिडिल ईस्ट तनाव

पीएम मोदी की 3.5 घंटे की हाई-लेवल बैठक

एजेंसी । नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम अपने आवास पर लगभग साढ़े तीन घंटे तक चलने वाली हाई-लेवल बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य भारत में पेट्रोलियम, गैस, बिजली और उर्वरक की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना और बदलती अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के मद्देनज़र रणनीतिक तैयारियां करना था। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी समेत कई वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में विशेष रूप से सप्लाई चेन, लॉजिस्टिक्स, भंडारण और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क पर विस्तृत चर्चा हुई।

होर्मुज स्ट्रेट पर गतिरोध और वैश्विक असर

बैठक में यह भी चर्चा हुई कि ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष के चलते होर्मुज स्ट्रेट पर जंग का असर पड़ा है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया की महत्वपूर्ण ऊर्जा आपूर्ति लाइन है और यहां हुए गतिरोध से भारत समेत कई देशों में तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन में किसी भी रुकावट को दूर करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने पहले ही सऊदी अरब, UAE, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर चर्चा कर रणनीति बनाई है, ताकि वैश्विक ऊर्जा संकट का देश पर न्यूनतम प्रभाव पड़े।

प्रधानमंत्री का राष्ट्रीय दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान कहा कि मिडिल ईस्ट संकट केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए खतरा है। उन्होंने बताया कि यह राष्ट्रीय चरित्र का एक अहम परीक्षण है, जिसमें धैर्य, जागरूकता और रणनीतिक तैयारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन की निगरानी लगातार की जाए और किसी भी संभावित जोखिम का तुरंत समाधान सुनिश्चित किया जाए ।प्रधानमंत्री ने बैठक में जोर देकर कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए वैश्विक घटनाओं पर नजर रखना, सप्लाई चेन को स्थिर रखना और लॉजिस्टिक्स में प्रभावी बदलाव करना वर्तमान में प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह हाई-लेवल बैठक मिडिल ईस्ट में जारी तनाव, होर्मुज स्ट्रेट पर बाधा और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत की रणनीति को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में ऊर्जा आपूर्ति, लॉजिस्टिक्स, अंतर-मंत्रालयीय समन्वय और रणनीतिक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिससे देश में ईंधन, गैस और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया।

सरकार क्या कर रही है?

सरकार इस संकट को लेकर पूरी तरह सतर्क है और हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए ऊर्जा आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारत ने तेल और गैस के लिए कई वैकल्पिक देशों से आयात बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता को कम करना है। रविवार सुबह मंगलुरु बंदरगाह पर अमेरिका से 72,700 टन से अधिक रसोई गैस पहुंची। यह कदम आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार इस मुद्दे पर लगातार उच्चस्तरीय बैठकें भी कर रही है। इन तैयारियों से साफ है कि किसी भी स्थिति से निपटने की योजना पहले से बनाई जा रही है।

ब्रीफ न्यूज़

ईरान ने इजराइल पर दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें

तेहरान/तेल अवीव। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन हमलों में 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले शनिवार रात को भी ईरान ने इजराइल के डिमोना और अराद शहरों को निशाना बनाया था। डिमोना में इजराइल का प्रमुख परमाणु संयंत्र स्थित है, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां पहले से सतर्क थीं। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा था कि यदि 48 घंटे के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर हमला करेगा, जिसकी शुरुआत सबसे बड़े संयंत्र से की जाएगी।

पुलिसकर्मी का घर निशाना, 80 लाख के गहने चोरी

जबलपुर। जिन पुलिसकर्मियों को अपराधी डर के साये में देखते हैं, अब वही उनके घरों को निशाना बना रहे हैं। जबलपुर के तिलवारा थाना क्षेत्र में अर्णव विहार सोसाइटी में चोरों ने प्रधान आरक्षक के नए घर में देर रात 24 मिनट में लगभग 80 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर दी। चोर स्पाइडर मैन जैकेट पहनकर वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, प्रधान आरक्षक राहुल मिश्रा के घर में उनके बेटे और बहू रहते थे, जबकि वे और उनके पिता पुलिस लाइन में थे। रात करीब 2 बजे चोर सीधे बेडरूम में गए और अलमारी में रखे सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए। चोरी में 8–10 तोला सोना, कई चांदी की पायलें, दो हार, तीन मंगलसूत्र, झुमके और अन्य कीमती सामान शामिल हैं।

अमेरिका में ट्रंप का सोने का सिक्का, कानून और विवाद दोनों के बीच

वॉशिंगटन। अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर वाला एक 24 कैरेट गोल्ड कॉइन जारी होने की संभावना है। सिक्के में ट्रंप को व्हाइट हाउस के मशहूर रिजॉल्यूट डेस्क के पास खड़ा दिखाया जाएगा। यदि यह सिक्का जारी होता है, तो यह दूसरी बार होगा जब किसी जीवित अमेरिकी राष्ट्रपति की तस्वीर किसी सिक्के पर दिखाई देगी। अमेरिकी कानून कहता है कि किसी जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर सामान्य मुद्रा पर नहीं हो सकती। अधिकारियों का कहना है कि यह सिक्का रोजमर्रा की मुद्रा नहीं, बल्कि एक कमेमोरेटिव या यादगार सिक्का है। यूएस कमीशन ऑन फाइन आर्ट्स ने 19 मार्च को इसके डिजाइन को मंजूरी दे दी, लेकिन सिक्के का आकार और तकनीकी विवरण अभी तय होना बाकी है ।इससे पहले कैल्विन कूलिज 1926 में अमेरिकी स्वतंत्रता की 150वीं वर्षगांठ पर जारी स्मारक सिक्के पर दिखे थे, जिसमें जॉर्ज वॉशिंगटन भी शामिल थे।

ईरान पर बरसे नेतन्याहू

एजेंसी । नई दिल्ली

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर तीखा हमला बोलते हुए दुनिया के देशों से एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान की मिसाइलें अब केवल इजरायल ही नहीं, बल्कि यूरोप और पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा बन चुकी हैं। अराद शहर के दौरे के दौरान बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि पिछले 48 घंटों में ईरान ने जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। उनका आरोप है कि इन हमलों का उद्देश्य बड़े पैमाने पर तबाही मचाना था।

- दुनिया से एकजुट होने की अपील
- हम और अमेरिका पूरी दुनिया के लिए लड़ रहे
- मिसाइल हमलों को बताया वैश्विक खतरा

लंबी दूरी की मिसाइलों पर चिंता

नेतन्याहू ने दावा किया कि ईरान ने 4,000 किलोमीटर तक मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, जो यूरोप तक पहुंचने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि यह खतरा अब क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक हो चुका है।

पवित्र स्थलों पर खतरे का आरोप

उन्होंने यरुशलम के धार्मिक स्थलों का जिक्र करते हुए कहा कि मिसाइलें वेस्टर्न वॉल, चर्च ऑफ द होली सेपल्चर और अल-अक्सा मस्जिद के बेहद करीब गिरीं, जिससे बड़ी त्रासदी टल गई ।इजरायली प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील का समर्थन किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान के खिलाफ एकजुट होने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका मिलकर पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए लड़ रहे हैं।

दो बड़े लक्ष्य तय

नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनका पहला लक्ष्य ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को खत्म करना है, जबकि दूसरा उद्देश्य वहां ऐसी स्थिति बनाना है कि जनता खुद मौजूदा शासन के खिलाफ खड़ी हो सके। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, हालिया हमलों में कुल 175 लोग घायल हुए हैं। अराद में 115 और डिमोना में 60 लोग जख्मी हुए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। लगातार बढ़ते हमलों के बीच क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया है।

जम्मू-कश्मीर में ईरान के लिए एकजुटता

लोग कर रहे गहने और नकद का दान

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में लोगों ने ईरान के समर्थन में विशेष पहल की है। स्थानीय लोग सोना, चांदी और नकद राशि दान कर वहां के प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। यह कदम पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है, जब आम लोग युद्ध और संकट की वजह से परेशान हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई की तस्वीरों में दिखा कि बडगाम के लोग मस्जिद इमाम ज़मान में एकत्रित हुए और अपने गहने तथा पैसे दान किए। बडगाम के मोहसिन अली ने कहा, "हमने नेक मकसद से चंदा इकट्ठा करने के लिए स्टॉल लगाया है। हमारी माताएं और बहनें गहने, तांबा और नकद दान कर रही हैं, ताकि ईरान को इस कठिन समय में सहायता मिल सके।" विधायक मुंतज़िर मेहदी ने भी इस पहल में साथ दिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी एक महीने की सैलरी दान करेंगे और मुश्किल समय में इंसानियत को प्राथमिकता देना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय संघर्ष का असर

इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्ष का असर लोगों तक पहुंच रहा है। अलग-अलग स्थानों से लोग अपनी क्षमता के अनुसार मदद और समर्थन कर रहे हैं। शांति की अपील भी लगातार बढ़ रही है।

ईरान ने F-15 विमान गिराने का दावा किया

इसी बीच ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसने अपने दक्षिणी समुद्री इलाके और होर्मुज द्वीप के पास अमेरिका का एक F-15 लड़ाकू विमान मार गिराया। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी Fars News Agency ने वीडियो जारी किया, जिसमें बताया गया कि विमान को सिस्टम द्वारा निशाना बनाया गया। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई उसके 'टू प्रॉमिस 4' अभियान का हिस्सा है और यह इसकी 74वीं कार्रवाई थी, जिसमें अमेरिका और इजरायल से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया।

सोलापुर में वेश्यावृत्ति रैकेट का भंडाफोड़, 25 महिलाओं को बचाया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में पुलिस ने एक डांस अकादमी में चल रहे वेश्यावृत्ति रैकेट का खुलासा किया और वहां से 25 महिलाओं को मुक्त कराया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मोदनिम्ब गांव के स्वरांजलि कला केंद्र में पिछले सप्ताह चलाए गए अभियान के दौरान मानव तस्करी के आरोप में एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई तेम्भुर्नी थाने और गैर सरकारी संगठनों हारमनी फाउंडेशन और एक्सोडस रोड इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से की गई।

डांस अकादमी में था रैकेट

हारमनी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अब्राहम मथाई ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि स्वरांजलि कला केंद्र और स्वागत लॉज के लोग विभिन्न जिलों और राज्यों से महिलाओं की तस्करी कर उन्हें देह व्यापार में शामिल करने में कथित रूप से शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस रैकेट की सच्चाई की पुष्टि के लिए पुलिस कर्मियों और स्वतंत्र गवाहों के साथ नकली ग्राहक का ऑपरेशन चलाया गया।

पुणे जमीन घोटाला

152 अधिकारियों पर कार्रवाई तय

डीबीडी संवाददाता । पुणे

पुणे जिले में जमीन रिकॉर्ड में कथित हेरफेर के मामले में राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। महाराष्ट्र भूमि राजस्व अधिनियम 1966 की धारा 155 के दुरुपयोग से जुड़े प्रकरणों में 152 राजस्व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। मंत्रालय स्तर पर अधिकारियों की सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही निलंबन, तबादला और विभागीय जांच जैसी कड़ी कार्रवाई शुरू की जाएगी। जांच में अधिकारियों को अनियमितताओं के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है- 15 अधिकारीः अत्यंत गंभीर अनियमितता,82 अधिकारीः गंभीर अनियमितता,55 अधिकारीः मध्यम स्तर की अनियमितता आरोपित अधिकारियों में तत्कालीन तहसीलदार, नायब तहसीलदार और मंडल अधिकारी शामिल हैं। जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने प्रवीण गेडाम की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की थी।

रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर हेरफेर

जांच में सामने आया कि कई अधिकारियों ने अपनी अधिकार सीमा से बाहर जाकर जमीन के रिकॉर्ड में बदलाव किए। मालिकाना हक, वारिस रिकॉर्ड और जमीन के क्षेत्रफल में फेरबदल जैसे मामलों में व्यापक गड़बड़ियां पाई गईं ।सूत्रों के अनुसार, इस मामले में कुछ सेवानिवृत्त अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सरकार की इस कार्रवाई को जमीन से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

'आतंक का गढ़' बना पाकिस्तानः ग्लोबल इंडेक्स में पहला स्थान, 2013 के बाद सबसे ज्यादा मौतें

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तान 2026 के ग्लोबल आतंकवाद सूचकांक में पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2025 में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अर्थशास्त्र और शांति संस्थान (IEP) की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में पाकिस्तान में 1,139 लोग आतंकवादी घटनाओं में मारे गए और कुल 1,045 हमले हुए। यह आंकड़ा 2013 के बाद सबसे अधिक है और देश की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान के साथ खराब संबंध और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों—तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान मुक्ति सेना—की बढ़ती गतिविधियां इस स्थिति के मुख्य कारण हैं। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान अब देश का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन बन चुका है और वैश्विक स्तर पर यह तीसरे स्थान पर है। 2009 से अब तक पाकिस्तान में हुए कुल हमलों में 67 प्रतिशत हमले इसी संगठन द्वारा किए गए।

दोपहर ट्रॉफी में अज़ुर का जलवा

लगातार दूसरी जीत से रेसकोर्स में छाई धूम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रविवार शाम महालक्ष्मी रेस कोर्स में आयोजित प्रतिष्ठित 'दोपहर ट्रॉफी' में इम्तियाज ए सईत द्वारा प्रशिक्षित घोड़ी अज़ुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत अपने नाम की। रोमांच से भरपूर इस दौड़ में अज़ुर ने अंतिम क्षणों में जबरदस्त वापसी कर दर्शकों और सट्टेबाजों—दोनों की उम्मीदों को सही साबित किया।

1000 मीटर रेस में दमदार वापसी, दूसरे स्थान के लिए फोटो फिनिश में टक्कर

1000 मीटर की तेज रफ्तार दौड़ में कुल छह घोड़ों ने भाग लिया। शुरुआत में अज़ुर संयमित रणनीति के तहत तीसरे स्थान पर बनी रही। अनुभवी जॉकी अक्षय कुमार की सवारी में अज़ुर ने अंतिम मोड़ तक अपनी स्थिति मजबूत रखी। जैसे ही अंतिम मोड़ आया, अक्षय कुमार ने घोड़ी को आगे बढ़ने का संकेत दिया और फिर अज़ुर ने लंबी छलांगों के साथ प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ते हुए सीधे फिनिश लाइन पार कर जीत दर्ज कर ली।

पुरस्कार वितरण समारोह

पुरस्कार वितरण समारोह में 'दोपहर' के संपादक अरुण लाल ने विजेता घोड़ी के मालिकों-शापूरजी पॉलनजी मिस्त्री, दिलीप ठक्कर और अशोक रणपिसे-को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर मुनीब चौरसिया और बी डी यादव भी मौजूद रहे। अज़ुर की इस लगातार दूसरी जीत ने न केवल उसकी बढ़ती फॉर्म को साबित किया, बल्कि आगामी रेसों के लिए उसे एक मजबूत दावेदार के रूप में भी स्थापित कर दिया है।

एनफोर्सर vs चेल्सी: जबरदस्त टक्कर

दूसरे स्थान के लिए एनफोर्सर और चेल्सी के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों घोड़े लगभग एक साथ फिनिश लाइन पर पहुंचे, जिससे फैसला फोटो फिनिश तक पहुंच गया। अंततः निर्णायकों ने दोनों को संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्रदान किया ।रेस से पहले ही घुड़दौड़ विश्लेषक बी डी यादव ने अज़ुर की जीत की संभावना जताई थी, जिस पर शौकीनों ने भरोसा दिखाया और भारी दांव लगाए। अज़ुर ने शानदार जीत के साथ उन उम्मीदों को पूरी तरह सही साबित किया।

म्हाडा जमीन घोटाला

अग्रिम जमानत पर आज सुनवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) से जुड़े बहुचर्चित जमीन घोटाला मामले में आरोपियों की धड़कनें तेज हो गई हैं। इस प्रकरण में 45 से अधिक संदिग्धों ने नासिक जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दाखिल किए हैं।इन सभी याचिकाओं पर सोमवार, 23 मार्च को एक साथ सुनवाई हो रही है। मामलों की संख्या अधिक होने के चलते अदालत ने सभी आवेदनों पर संयुक्त सुनवाई करने का निर्णय लिया है। मामले में म्हाडा की जमीनों में कथित हेरफेर और धोखाधड़ी के आरोप सामने आए हैं। पुलिस जांच तेज होने के बाद कई आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत का रुख किया है।

45 से ज्यादा आरोपियों की याचिकाएं

सुनवाई पर टिकी नजरें

अदालत में दाखिल याचिकाओं की संख्या 45 से अधिक होने और दस्तावेजों की जांच के लिए समय की जरूरत को देखते हुए सुनवाई की तारीख तय की गई थी। अब इस सुनवाई में आरोपियों को राहत मिलती है या नहीं, इस पर पूरे जिले की नजरें टिकी हैं।

मुख्य आरोपी की पेशी

इस मामले में गिरफ्तार बिल्डर सोनू मनवानी को भी सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। उसकी पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। माना जा रहा है कि अदालत का फैसला इस बहुचर्चित घोटाले की दिशा तय करने में अहम साबित होगा।

नवी मुंबई के सभी विभागों में उत्साहपूर्वक मनाया गया विश्व जल दिवस

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा हर साल 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य स्वच्छ और ताजे पानी के प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके सतत संरक्षण के लिए काम करना है। 1993 से विश्वभर में इस दिन को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

नवी मुंबई महानगरपालिका के तहत भी महापालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में, अतिरिक्त शहर अभियंता अरविंद शिंदे की देखरेख में सभी आठ विभाग कार्यालयों में प्रमुख जलकुंभों पर कार्यकारी अभियंता एवं जलापूर्ति विभाग के अधिकारी और कर्मचारी एकत्र हुए और उत्साहपूर्वक विश्व जल दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी

पानी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिया जलरक्षक संकल्प

ने सामूहिक रूप से जलरक्षक शपथ ली। जल जीवन के लिए आवश्यक है और पृथ्वी पर पीने योग्य पानी की मात्रा अत्यंत सीमित है। उपलब्ध जल स्रोतों का संरक्षण करना और पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। इसी संदेश को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 1993 से 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' के रूप में मनाना शुरू किया।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल दिवस का संदेश दिया है: 'पानी और लिंग समानता: जहाँ पानी बहता है, समानता बढ़ती है' (Water and Gender: Where water flows, equality grows)।

शपथ समारोह में सभी उपस्थित नागरिकों ने जल बचत और विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रतिज्ञा ली। साथ ही 'कैच द रेन' अभियान को सफल बनाने और प्रत्येक बूंद पानी को अमूल्य मानकर उसका उपयोग करने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने यह भी प्रतिज्ञा की कि वे अपने परिवार, मित्र और पड़ोसियों को भी पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और अपव्यय से बचाने के लिए प्रेरित करेंगे।

नवी मुंबई शहर मोरबे धरण के कारण जल समृद्ध है, फिर भी महानगरपालिका ने विश्व जल दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करें और हर बूंद का महत्व समझें।

नवी मुंबई में DRI की कार्रवाई

9.25 करोड़ का प्रतिबंधित सामान जब्त

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय ने नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर कार्रवाई करते हुए 9.25 करोड़ रुपए मूल्य के प्रतिबंधित वॉकी-टॉकी सेट और सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव (HDDs) जब्त किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह सामान मुंबई की दो फर्मों द्वारा बिना अनुमति के आयात किया गया था। इस मामले में पिता-पुत्र की एक जोड़ी को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

खुफिया सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में करीब 2.5 करोड़ रुपए के वॉकी-टॉकी और 6.75 करोड़ रुपए मूल्य के सेकंड-हैंड HDDs बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि इन प्रतिबंधित सामानों को 21 करोड़ रुपए के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के बीच छिपाकर रखा गया था। चीन से आए आठ कंटेनरों में कुल 30.25 करोड़ रुपए का माल शामिल था, जिसे गलत घोषणा (misdeclaration) के आरोप में जब्त कर लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए वॉकी-टॉकी सेट दूरसंचार विभाग द्वारा प्रतिबंधित हैं, क्योंकि वे अनुमत फ्रीक्वेंसी से बाहर काम करते हैं और उनके उपयोग से सुरक्षा संबंधी खतरे पैदा हो सकते हैं। इसके अलावा, सेकंड-हैंड HDDs के आयात के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय की अनुमति आवश्यक होती है, जो इस मामले में नहीं ली गई थी।

'यदि कर्मचारी समान कार्य कर रहे हैं, तो उन्हें समान वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने वसई-विरार महानगरपालिका (वीवीएमसी) को 28 कर्मचारियों की याचिका पर अपने फैसले में कहा कि यदि कर्मचारी समान कार्य कर रहे हैं, तो उन्हें समान वेतन से वंचित नहीं किया जा सकता, चाहे उनकी नियुक्ति किसी भी तरीके से हुई हो। 'समान काम के लिए समान वेतन' एक मौलिक अधिकार जैसा प्रभाव रखने वाला सिद्धांत है। प्रशासनिक कारणों या नियुक्ति की तकनीकी खामियों के आधार पर कर्मचारियों के साथ वेतन में भेदभाव अवैध है। अदालत ने वीवीएमसी को 2009 से कार्यरत अपने 28 कर्मचारियों (सफाई कर्मचारी, क्लर्क, चपरासी) को 'समान काम के लिए समान वेतन' के आधार पर वेतन देने का आदेश दिया है।

कल्याण स्टेशन पर व्यक्ति के खंभे पर चढ़ने से ट्रेन सेवाएं प्रभावित

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

मध्य रेलवे के कल्याण रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक व्यक्ति के ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) खंभे पर चढ़ने के कारण ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। बाद में वह व्यक्ति फिसलकर पटरी पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दोपहर करीब दो बजे प्लेटफॉर्म 1, 1ए और 2 के पास हुई। स्थिति को देखते हुए ठाकुरली और अंबिवली के बीच डाउन लाइन की बिजली आपूर्ति एहतियात के तौर पर बंद कर दी गई, जिससे ट्रेन संचालन प्रभावित हुआ।

इस दौरान दूसरे राज्यों में जाने वाली दो ट्रेनों और तीन उपनगरीय लोकल ट्रेनों की सेवाएं बाधित रहीं। राजकीय रेलवे पुलिस के मुताबिक, करीब 35 वर्षीय यह व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था और बार-बार समझाने के बावजूद खंभे से नीचे नहीं उतरा। बाद में वह संतुलन खोकर पटरी पर गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। इससे पहले दिन में ठाणे जिले के खडावली रेलवे स्टेशन पर भी तकनीकी कारणों से ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई थीं। हालांकि मरम्मत कार्य के बाद सेवाएं बहाल कर दी गई थीं।

भाईंदर में गणगौर की सांस्कृतिक धूम

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

लोकनृत्य, भक्ति और परंपरा का संगम, महिलाओं ने घूमर से बांधा समां

भाईंदर में गणगौर महोत्सव के दौरान राजस्थानी संस्कृति की रंग-बिरंगी छटा देखने को मिली। राजस्थानी जन-जागरण सेवा संस्था और श्री सप्तेश्वर सालासर हनुमान मंदिर द्वारा 21 और 22 मार्च को आयोजित कार्यक्रम हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुए।

दोनों आयोजनों में पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और भक्ति गीतों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और नागरिकों की भागीदारी ने कार्यक्रम को खास बना दिया।

श्री सप्तेश्वर सालासर हनुमान मंदिर में आयोजित महोत्सव में केसरिया बालम एंड पार्टी (इंदौर) की प्रस्तुति ने समां बांध दिया। भक्ति रस और लोकसंगीत के मेल से श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। राजस्थानी जन-जागरण सेवा संस्था का 26वां गणगौर महोत्सव कृष्णा बैंक्विट हॉल, भायंदर पश्चिम में मनाया गया। इस दौरान महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पारंपरिक राजस्थानी परिधान में घुमर नृत्य प्रस्तुत किया।

गणगौर पर्व को प्रेम, समर्पण और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर विवाहित महिलाएं सौभाग्य के लिए और अविवाहित युवतियां अच्छे वर की कामना के लिए गण-गौरा की पूजा करती हैं।कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ परिधान और सर्वश्रेष्ठ गणगौर सजावट के लिए महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संस्कृति को आगे बढ़ाने का संकल्प

इस अवसर पर नरेंद्र मेहता ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम हैं और इन्हें आगे बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

नवी मुंबई की आर्द्रभूमि पर संकट, राजहंसों का प्रवास घटने का खतरा

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई की आर्द्रभूमि में बढ़ते प्रदूषण और विषाक्तता के कारण राजहंसों (फ्लेमिंगो) की संख्या में गिरावट का खतरा मंडराने लगा है। जलवायु कार्यकर्ताओं ने तीन प्रमुख आवास स्थलों के जल नमूनों में चिंताजनक परिणाम सामने आने के बाद 'आर्द्रभूमि आपातकाल' घोषित करने की मांग की है। कार्यकर्ताओं ने नेरुल स्थित डीपीएस, एनआरआई और टी.एस. चाणक्य झीलों की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। ये सभी मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि हैं, जहां हर साल बड़ी संख्या में राजहंस प्रवास के लिए आते हैं।

नवी मुंबई में राजहंसों का प्रवास सामान्यतः नवंबर से मई तक रहता है, जबकि जनवरी से मार्च के बीच इनका सबसे अधिक जमावड़ा देखने को मिलता है। इस दौरान बड़ी संख्या में पक्षी प्रेमी इन गुलाबी पक्षियों को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। हालांकि इस बार इनकी संख्या में कमी ने चिंता बढ़ा दी है।

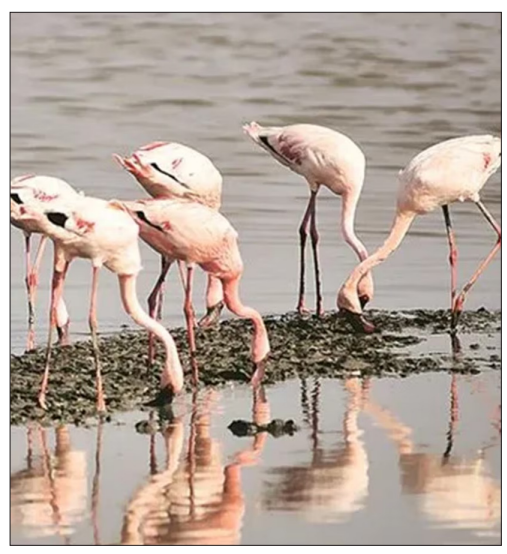

प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

जलवायु कार्यकर्ता नंदकुमार पवार ने इस स्थिति के लिए नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सीआईडीसीओ) को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण और वन विभाग जैसे नियामक संस्थान भी इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहे हैं। पवार ने चेतावनी दी कि आर्द्रभूमि एक सार्वजनिक संपत्ति है, जिसे खुलेआम नष्ट किया जा रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह न केवल राजहंसों के प्रवास को प्रभावित करेगा, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर असर डालेगा।

जल परीक्षण में सामने आई गंभीर स्थिति

'नेटकनेक्ट फाउंडेशन' द्वारा कराए गए जल परीक्षण में यह पाया गया कि आर्द्रभूमि की जल प्रणाली गंभीर तनाव में है। संस्था के निदेशक बी.एन. कुमार ने बताया कि इस मौसम में राजहंसों का न आना स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई के अभाव में ये आर्द्रभूमि अब प्रदूषित और स्थिर जलकुंडों में बदलती जा रही हैं।

विरार में 12 मंजिला इमारत में आग

नौ लोगों को सुरक्षित निकाला गया

डीबीडी संवाददाता । पालघर

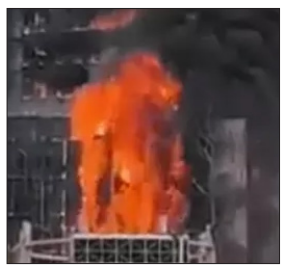

महाराष्ट्र के विरार इलाके में रविवार को एक 12 मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते राहत और बचाव कार्य होने से नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।अधिकारियों के मुताबिक, आग सुबह करीब 11 बजे इमारत की आठवीं मंजिल पर लगी। इस दौरान तीन फ्लैटों के प्रवेश द्वार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

आग लगने के बाद पूरी मंजिल पर घना धुआं फैल गया, जो धीरे-धीरे पूरी इमारत में फैलने लगा। इससे वहां रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल बन गया। प्रभावित फ्लैटों में फंसे बच्चों और बुजुर्गों सहित नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। साथ ही बचाव कार्य भी जारी रखा गया।

सुरक्षा जांच की मांग

निवासियों ने इमारत में तकनीकी खामियों और सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अग्निशमन विभाग से तत्काल जांच की मांग की है। यह इमारत करीब दो साल पुरानी बताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

वसुंधरा बचाने को दौड़े हजारों कदम

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

- ग्रीन मैराथन से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, 5 व 10 किमी दौड़ में उत्साह

मीरा-भाईंदर महानगरपालिका द्वारा वसुंधरा महोत्सव 2026 के तहत आयोजित 'ग्रीन मैराथन' में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।यह मैराथन 22 मार्च की सुबह नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान, भायंदर (पश्चिम) से शुरू हुई, जहां मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया। निर्धारित मार्ग पर दौड़ पूरी कर प्रतिभागी पुनः मैदान में पहुंचे।

मैराथन 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर की दो श्रेणियों में आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने 'ग्रीन लाइफस्टाइल' और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मैराथन के बाद आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में नागरिकों और अधिकारियों ने पौधे लगाकर हरित शहर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान प्रत्येक नागरिक से कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की गई।कार्यक्रम के माध्यम से 'मेरी वसुंधरा'अभियान का संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण अब केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी बन चुका है।

अधिकारी और नागरिक रहे मौजूद

इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पनपट्टे, उपाध्यक्ष हेमा बेलानी, जनसंपर्क अधिकारी राज घरत, उद्यान अधीक्षक नागेश विरकर, सहायक आयुक्त जितेंद्र कांबले और स्वच्छ भारत ब्रांड एंबेसडर त्रिशा ठोसर सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ, हरा-भरा और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

ठाणे सिविल हॉस्पिटल में बच्चों के लिए निशुल्क नेत्र चिकित्सालय शुरू

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

बच्चों की आँखों की शिकायतों को नज़रअंदाज़ करना उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। अगर कम उम्र में आँखों की बीमारियों का पता नहीं लगाया गया, तो उनके नतीजे हमेशा के लिए हो सकते हैं। इसलिए, माता-पिता को जागरूक होना और समय पर जाँच करवाना ज़रूरी है, हेल्थ डायरेक्टर नितिन अंबाडेकर ने कहा। वह ठाणे सिविल हॉस्पिटल में शुरू हुए 'चिल्ड्रन आई क्लिनिक' के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे।

यह नेत्र चिकित्सालय अब हर मंगलवार को नियमित चलेगा, और शिशुओं की आँखों की सभी तरह की समस्याओं का इलाज एक ही जगह पर किया जाएगा। इसमें मायोपिया (नज़दीकी नज़र), एम्ब्लियोपिया, (मंद दृष्टि) और स्ट्रैबिस्मस (भेंगापन) सर्जरी जैसी ज़रूरी सर्विस के साथ-साथ बच्चों में मोतियाबिंद का इलाज भी शामिल है।

डॉ. नितिन अंबाडेकर ने कहा कि मोबाइल, टीवी और डिजिटल डिवाइस का ज़्यादा इस्तेमाल बच्चों की आँखों के लिए खतरा बन रहा है। फिर भी, कई माता-पिता शुरुआती लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। अगर आंखों को मसलना , रगड़ना, बार-बार पानी आना, पढ़ाई में ध्यान न लगना, पास की चीज़ों को देखना या सिरदर्द जैसे लक्षण दिखें और इलाज न किया जाए, तो आगे का इलाज मुश्किल हो सकता है। इस शुभारंभ के मौके पर ज़िला सर्जन डॉ. कैलास पवार, अतिरिक्त ज़िला सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, नेत्र चिकित्सक डॉ. शुभांगी अंबाडेकर, डॉ. अर्चना पवार और दूसरे अधिकारी मौजूद थे।

ऐसे में, सरकारी लेवल पर उपलब्ध कराई गई यह सर्विस बहुत ज़रूरी साबित हो रही है और आर्थिक रूप से कमज़ोर तबके के लिए बहुत बड़ा सहारा बनेगी। ज़िला सर्जन डॉ. कैलास पवार ने कहा कि हर माता-पिता तक यह मैसेज पहुंचाना ज़रूरी है, 'देर न करें, चेकअप ज़रूरी है।'

बच्चों की आंखों को सुरक्षित रखना सिर्फ़ एक मेडिकल ज़रूरत नहीं बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है। इसलिए, ऑप्थल्मोलॉजिस्ट (नेत्र चिकित्सक) डॉ. शुभांगी अंबाडेकर ने माता-पिता से अपील की है कि वे हर मंगलवार सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक उपलब्ध इस सर्विस का फ़ायदा उठाएं और अपने बच्चों की आंखों की सेहत बनाए रखें।

मुंबई और ठाणे के लिए गर्मी का येलो अलर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मौसम विभाग ने मुंबई और ठाणे के लिए गर्मी का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। मुंबई में पिछले एक सप्ताह तक मिली थोड़ी राहत के बाद मौसम ने फिर एक बार करवट बदली है। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को गर्मी और उमस भरे मौसम के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। हालांकि इस सप्ताह के लिए लू चलने की चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन सोमवार से तापमान के 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने का अनुमान है। बीते दिनों महाराष्ट्र के कई हिस्सों में तेज हवाएं, आंधी-तूफ़ान और ओलावृष्टि हुई, तब मुंबई और उसके आस-पास के ज़िलों में गर्मी का स्तर थोड़ा कम रहा। दिन का तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आस-पास दर्ज किया गया। मार्च के पहले पखवाड़े में उमस भरी गर्मी महसूस की गई। महानगर को उत्तरी हिस्सों में सक्रिय 'पश्चिमी विक्षोभ' प्रणाली के कारण गर्मी से कुछ राहत मिली थी।

मार्च में बढ़ती गर्मी, तीन बार लू का असर

'गंभीर हीटवेव' की घोषणा तब की जाती है जब अधिकतम तापमान सामान्य स्तर से 6.5 डिग्री से भी ज़्यादा ऊपर चला जाए। पिछले एक महीने में शहर को कम से कम तीन लू की चपेट में आना पड़ा है। पहली लू 4 और 5 मार्च के बीच चली। उसके बाद 9 और 10 मार्च के बीच एक भीषण लू चली और फिर 13 मार्च को एक और लू चली। मार्च महीने में तापमान सामान्य से ज़्यादा रहने की संभावना रहती है, क्योंकि यह सर्दियों से गर्मियों में बदलने का समय होता है। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार महानगर में मार्च का सबसे गर्म दिन 41.7 डिग्री सेल्सियस था, जो साल 1956 में दर्ज किया गया था।

मुंबई-कोंकण में बढ़ेगी गर्मी

हालांकि, 'पश्चिमी विक्षोभ' प्रणाली के कमज़ोर पड़ने के साथ ही, इस सप्ताहांत पर शहर में तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार के लिए मुंबई के साथ-साथ कोंकण क्षेत्र के ठाणे, रत्नागिरी व रायगढ़ ज़िलों में भी गर्मी और उमस भरे मौसम के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। इस सप्ताह के लिए जारी अपने पांच-दिवसीय पूर्वानुमान में मौसम विभाग ने बताया है कि मंगलवार तक अधिकतम तापमान 36 डिग्री के उच्च स्तर को छू सकता है, जबकि बुधवार को तापमान में थोड़ी गिरावट आकर यह 35 डिग्री तक पहुंच सकता है।

समुद्री हवाओं की देरी से बढ़ा तापमान

मौसम वैज्ञानिकों ने तापमान में होने वाली इस बढ़ोतरी का कारण समुद्री हवाओं और पश्चिमी हवाओं में हुई देरी को बताया है। ये हवाएं दिन के समय शहर को ठंडा रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। तापमान में तेज़ बढ़ोतरी के बावजूद, मौसम विभाग ने इस क्षेत्र के लिए किसी भी तरह की 'हीटवेव' चेतावनी जारी नहीं की है। तटीय क्षेत्रों में, 'हीटवेव' की चेतावनी तब जारी की जाती है जब तापमान 37 डिग्री से ऊपर चला जाए, या फिर लगातार कई दिनों तक सामान्य तापमान से 4.5 से 6.4 डिग्री अधिक बना रहे।

नेशनल पार्क के 'बिट्टू' तेंदुए की मौत

मुंबई। मुंबई के बोरिवली स्थित संजय गांधी नेशनल पार्क में लगभग 6 वर्ष के नर तेंदुए 'बिट्टू' की मौत हो गई है। वह लंबे समय से बीमार चल रहा था। नेशनल पार्क के वेटनरी डॉक्टरों व कर्मचारियों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

शावक बिट्टू को 4 दिसंबर 2019 को ठाणे वन विभाग के येऊर क्षेत्र से बचाया गया था। उसका पालन-पोषण और देखभाल उद्यान के पशु चिकित्सकों और कर्मचारियों की निगरानी में किया गया। पिछले कुछ महीनों से उसमें बीमारी के लक्षण दिखाई दे रहे थे और उसका ईलाज किया जा रहा था। लेकिन उसकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। सोनोग्राफी में पाया गया कि वह पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज नामक बीमारी से पीड़ित था। इसके बाद उसके शरीर में आंतरिक गंभीर जटिलताएं उत्पन्न हो गईं और उसकी मृत्यु हो गई। वेटनरी डॉक्टरों की टीम द्वारा किए गए पोस्टमॉर्टम में किडनी में सिस्ट पाए गए. प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिला कि किडनी की समस्या के कारण कई अंगों के फेल होने की संभावना थी। नेशनल पार्क के उपनिदेशक के अनुसार सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया गया है और जैविक नमूनों को आगे की हिस्टोपैथोलॉजिकल और पुष्टि जांच के लिए मुंबई पशु चिकित्सा महाविद्यालय, परेल भेजा गया है।

पीयूष गोयल के जनता दरबार में समस्याओं का त्वरित निपटारा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उत्तर मुंबई से सांसद और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के लोक कल्याण कार्यालय में रविवार को आयोजित जनता दरबार में नागरिकों की कई समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। कुछ शिकायतों का मौके पर ही निपटारा हुआ, जबकि अन्य मामलों में संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में महानगरपालिका, स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए), मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण, मुंबई पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। पीयूष गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी शिकायतों की समीक्षा की।

16 प्रमुख शिकायतों पर कार्रवाई

दरबार में कुल 16 प्रमुख शिकायतें रखी गईं, जो कई नागरिकों का प्रतिनिधित्व करती थीं। इनमें पानी, सड़क मरम्मत, आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा दीवार और पुलिस प्रशासन से जुड़े मुद्दे शामिल थे। सांसद ने सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। एसआरए से जुड़े 36 लंबित मामलों का समाधान किया गया। कई वर्षों से अटके मुद्दों के सुलझने पर नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया।

कौशल विकास से रोजगार की राह

कांदिवली (पूर्व) स्थित अटल बिहारी वाजपेयी कौशल विकास केंद्र में चर्मकार समाज के युवाओं के लिए फुटवियर निर्माण का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 20 गटई कामगारों ने भाग लिया, जिससे उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला।

10 दिन में मिला मकान का कब्जा

कांदिवली (पश्चिम) में दुर्गा साई एसआरए सहकारी गृहनिर्माण संस्था के 36 पात्र लाभार्थियों को मात्र 10 दिनों में घरों की चाबियां सौंपी गईं। लंबे समय से लंबित इस मामले के सुलझने पर लाभार्थियों ने जनता दरबार में पहुंचकर सांसद का आभार जताया।जनता दरबार के जरिए नागरिकों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान मिलने से स्थानीय स्तर पर इस पहल की सराहना की जा रही है।

नासिक दुष्कर्म मामले में किसी को बक्शा नहीं जाएगा : सीएम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नासिक दुष्कर्म मामले में किसी भी आरोपित को छोड़ा नहीं जाएगा। इस मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि नासिक दुष्कर्म मामला बहुत ही गंभीर है। इस मामले की जांच वरिष्ठ स्तर पर हो रही है। इसमें एक एसआईटी बनाई गई है। नासिक पुलिस और एसआईटी मिलकर जांच कर रही है। इस केस में किसी भी हालत में किसी को बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास कोई सबूत है तो वह सामने आए। इस केस को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। इस केस के बारे में सबसे ज्यादा सबूत मेरे पास हैं। इसका कारण इस मामले को हमने ही उजागर किया है।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं को न्याय दिलाने का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा,'मुझे पता है कि कौन सी विपक्षी पार्टी वहां गई है। मेरे पास खरात के किस-किस से रिश्ते हैं, इसकी पूरी जानकारी है। किसी के पास किसी के फोटो की जानकारी हो सकती है। सिर्फ इसलिए संबंधित पर एक्शन नहीं लिया जा सकता।अपनी तथाकथित ताकत का इस्तेमाल करके महिलाओं को धोखा देना ठीक नहीं है। उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम उन महिलाओं को न्याय दिलाना चाहते हैं जिनके साथ आरोपित अशोक खरात के रिश्ते रहे हैं। महिलाएं शर्म या समाज के दबाव की वजह से सामने नहीं आ रही हैं। इस मामले में पीड़ितों को उनके परिवारों को हिम्मत देकर आगे लाया जा रहा है।

चिया टेक्नोलॉजीज पर 5 लाख का जुर्माना

नागपुर। आयातित माल की जब्ती से जुड़े विवाद में चिया टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को हाई कोर्ट ने 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और कंपनी पर अदालत को गुमराह करने का आरोप लगाया। न्यायमूर्ति अनिल पानसरे और निवेदिता मेहता की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यह राशि अगली सुनवाई से पहले कोर्ट रजिस्ट्री में जमा करनी होगी और कंपनी के प्रतिनिधि को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहना होगा।

मामले में याचिकाकर्ता का दावा था कि चार आयातित कंटेनरों में स्केटबोर्ड थे, जबकि कस्टम विभाग ने इन्हें स्कूटर खिलौने बताया। सुनवाई के दौरान राइडर शिपिंग लाइंस के प्रतिनिधि और अन्य कर्मचारियों के बयानों में विरोधाभास सामने आया। एक कर्मचारी ने बताया कि उसे ऐसे दस्तावेज पर हस्ताक्षर कराए गए, जिसमें बताया गया कि उसका कंपनी से कोई संबंध नहीं है, जबकि वह 2024 से कंपनी में कार्यरत है और भुगतान भी प्राप्त कर रहा है। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया।

मछली घोटाले में बंसोड का ट्रायल शुरु

नागपुर। मछली पालन के नाम पर निवेशकों से लाखों रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में हाई कोर्ट ने आरोपी राजेश ताराचंद बंसोड की राहत याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी फालके की अदालत ने स्पष्ट किया कि निवेश पर ऊंचे रिटर्न का वादा 'डिपॉजिट' की श्रेणी में आता है, इसलिए मामला MPID अधिनियम के तहत चलेगा। मामले के अनुसार, आरोपी ने फिश फार्मिंग (केज कल्चर) के नाम पर निवेशकों को 1.5 से 6 गुना तक रिटर्न देने का लालच दिया। शिकायतकर्ता ध्रुव सक्सेना और उनकी पत्नी ने वर्ष 2017 में करीब 48.85 लाख रुपये निवेश किए थे। निवेश पर रिटर्न मांगने पर आरोपी ने पोस्ट-डेटेड चेक दिए, जो बैंक में बाउंस हो गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी (धारा 420), आपराधिक विश्वासघात (धारा 406, 409) और एमपीआईडी एक्ट की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया। अदालत ने माना कि आरोपी ने निवेशकों के भरोसे का दुरुपयोग किया, जो गंभीर अपराध है। हाई कोर्ट ने विशेष अदालत के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें आरोपी को डिस्चार्ज देने से इनकार किया गया था।

खरात प्रकरण: मंदिर पुजारी और चौकीदार से पूछताछ, एसआईटी ने तेज की जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/नासिक

स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ बलात्कार, नर बलि और काला जादू के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मीरगांव स्थित ईशानेश्वर महादेव मंदिर के कार्यवाहक पुजारी प्रमोद गडख और नासिक के एक चौकीदार से रविवार को पूछताछ की। अधिकारियों के अनुसार, खरात का मर्चेंट नेवी अधिकारी से संबंध और मंदिर पुजारी से कनेक्शन जांच में अहम साबित हो रहा है।

आईपीएस अधिकारी तेजस्विनी सतपुते के नेतृत्व में एसआईटी ने पहले दिन खरात के कार्यालय के कर्मचारी नीरज जाधव से सात घंटे तक पूछताछ की थी। 35 वर्षीय एक महिला की शिकायत पर 18 मार्च को खरात को गिरफ्तार किया गया था। महिला ने आरोप लगाया कि तीन साल के दौरान खरात ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया। जांच में यह भी सामने आया कि खरात की नेताओं के बीच अच्छी पैठ है और सिन्नर व अन्य क्षेत्रों में भूखंडों के लेन-देन में उसका संबंध रहा है।

एसआईटी ने खरात के ठिकानों से जब्त किए CCTV और DVR

एसआईटी ने खरात के मीरगांव स्थित फार्महाउस, टिकडे कॉलोनी बंगले और कनाडा कॉर्नर कार्यालय से सीसीटीवी डीवीआर जब्त किए हैं। इसके अलावा, खरात वावी, शिरडी और सरकारवाड़ा थानों में कथित जबरन वसूली, ब्लैकमेल, बलात्कार और काला जादू से जुड़े कई मामलों में नामजद है। अधिकारी ने बताया कि 24 वर्षीय महिला की तस्वीरें प्रसारित करने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। खरात पर बीएनएस और महाराष्ट्र नरबलि एवं अन्य अमानवीय प्रथा रोकथाम अधिनियम के तहत भी कई मामले दर्ज हैं। जांचकर्ताओं का कहना है कि संभावित और अन्य पीड़ितों से संपर्क किया जा रहा है और आने वाले दिनों में खरात के खिलाफ और मामले दर्ज हो सकते हैं।

खरात के ट्रस्ट को डारना बांध का पानी लेने की अनुमति रद्द

इसी कड़ी में, राज्य के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मीरगांव में खरात से जुड़े शिवनिक संस्थान ट्रस्ट को डारना बांध से प्रतिदिन 39 लाख लीटर पानी लेने की अनुमति देने वाला 2020 का सरकारी प्रस्ताव रद्द कर दिया। आरोप है कि यह पानी खरात ने अपने आम के बागों में इस्तेमाल किया। इससे पहले, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि खरात से जुड़े मामलों की उच्चस्तरीय जांच पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की देखरेख में चल रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

होटल मालिकों को 20 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी सप्लाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के कारण गैस का संकट का निर्माण हो गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित होने के कारण होटल व रेस्टोरेंट मालिकों की कमर टूट गई है। बड़ी संख्या में होटल बंद हो रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए होटल कारोबारियों को 20 प्रतिशत अतिरिक्त एलपीजी सप्लाई का निर्देश दिया है। यह जानकारी रसद मंत्री छगन भुजबल ने दी है। भुजबल ने बताया कि केंद्र ने होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट, इंडस्ट्रियल कैंटीन, फ़ूड प्रोसेसिंग-डेयरी बिज़नेस, सब्सिडी वाली कैंटीन और कम्युनिटी किचन को 20 फीसदी अतिरिक्त एलपीजी सप्लाई करने का निर्देश दिया है। कमर्शियल एलपीजी के वितरण को लेकर केंद्र के निर्देश से होटल कारोबारियों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय के 21 मार्च 2026 को जारी किए गए निर्देशों के अनुसार राज्य को पहले 30 प्रतिशत दिया गया था। अब 23 मार्च 2026 से अगले आदेश तक आवंटन में और 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। अब 50 प्रतिशत गैस सप्लाई होगी। इस अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन में होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, इंडस्ट्रियल कैंटीन, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी इंडस्ट्री को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही राज्य सरकार या स्थानीय स्व-सरकारी निकायों द्वारा चलाई जा रही सब्सिडी वाली कैंटीन, कम्युनिटी किचन और प्रवासी मजदूरों के लिए योजनाओं को भी फायदा मिलेगा।

एलपीजी-केरोसिन सप्लाई में राहत

मंत्री भुजबल ने बताया कि इस फैसले से होटल और रेस्टोरेंट कारोबारियों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें कमर्शियल एलपीजी की कमी के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उम्मीद है कि सप्लाई चेन आसान हो जाएगी। हालांकि गैस लेने के लिए संबंधित कारोबारियों को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ रजिस्टर करना होगा और पीएनजी के लिए आवेदन करना होगा।

भुजबल के अनुसार राज्य में केरोसिन बांटने को लेकर भी अहम फैसले लिए गए हैं। पेंडिंग लाइसेंस को रिन्यू माना जाएगा और कोई फीस नहीं ली जाएगी। साथ ही लाइसेंस तुरंत वारिसों के नाम पर ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन गांवों में रिटेल केरोसिन लाइसेंस होल्डर नहीं हैं, वहां फेयर प्राइस दुकानदार को रिटेल केरोसिन लाइसेंस होल्डर माना जाए और उसे लाइसेंस जारी किया जाए। सभी जिलाधिकारियों को 20 मार्च 2026 के सरकारी लेटर के ज़रिए राज्य में रिटेल, हॉकर्स, सेमी-होलसेल और होलसेल केरोसिन लाइसेंस की मंजूरी, रिन्यूअल और ट्रांसफर के बारे में कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा सुधार में नया कदम

50 शिक्षकों को विदेश में मिलेगा प्रशिक्षण

पुणे। जिले की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों तक ले जाने के लिए जिला परिषद ने ग्लोबल गुरुजी योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत अगले वित्तीय वर्ष में जिले के 50 उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन किया जाएगा और उन्हें फिनलैंड और सिंगापुर जैसे देशों में भेजा जाएगा ताकि वे वहां की आधुनिक शिक्षण तकनीक, छात्र-केंद्रित शिक्षण प्रणाली और डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग को प्रत्यक्ष रूप से सीख सकें।

जिला परिषद का मानना है कि शिक्षकों का कौशल विकास ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आधुनिक, प्रतिस्पर्धात्मक और गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने का मुख्य मार्ग है। इस पहल से न केवल शिक्षकों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि वे भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार होंगे।

विदेशी अनुभव से जिले में बदलाव

विदेश से लौटने के बाद, इन शिक्षकों को 'टीचर इनोवेशन फेलोज' के रूप में जिम्मेदारी दी जाएगी। ये शिक्षक अपने अनुभव पूरे जिले के अन्य शिक्षकों के साथ साझा करेंगे, प्रशिक्षण कार्यशालाओं और मार्गदर्शन सत्रों का आयोजन करेंगे। इसके माध्यम से वैश्विक अनुभव से प्राप्त ज्ञान सैकड़ों स्कूलों और हजारों छात्रों तक पहुंचेगा, जिससे जिले के शैक्षणिक परिदृश्य में सुधार और नवाचार आएगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन पाटिल ने कहा कि बजट में शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। उनका कहना है कि केवल छात्रों को सुविधाएं देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षकों का कौशल और उनके अनुभव का विकास ही शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का मूल उपाय है।

नाम में बदलाव

मै मोरे नितीन धर्मा आर्मी नंबर 17013660P, HAV Tech (SA) सर्विंग ४० गोला बारूद भंडार C/o 99 ऐपी ओ पिन, 909740. निवासी गाँव+ पोस्ट सोनोशी, तहसिल, सिंदखेड राजा जिल्हा, बुलढाणा (MH) पिन-443308. मेरे आर्मी रिकॉर्ड में मेरे पुत्र का नाम MORE RUTVIK है जोकि गलत है. जबकि मेरे पुत्र का सहि नाम MORE RUTVIK NITIN है. भविष्य में मेरे पुत्र को सही नाम से जाना जाए।
vide Affidavit No 76AB 579735

संपादकीय

जमीन घोटालों पर बने स्थायी मिसाल

पुणे जिले में जमीन रिकॉर्ड से जुड़े कथित घोटाले में 152 राजस्व अधिकारियों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि शासन की विश्वसनीयता की परीक्षा है। जब जमीन जैसे संवेदनशील और मूल्यवान संसाधन के रिकॉर्ड में हेरफेर होता है, तो उसका सीधा असर आम नागरिक के अधिकारों, निवेश और न्याय व्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा कड़ा रुख अपनाना स्वागतयोग्य है, लेकिन इससे भी अधिक जरूरी है कि यह कार्रवाई एक स्थायी मिसाल बने। जांच में सामने आया कि अधिकारियों ने अपनी अधिकार सीमा से बाहर जाकर मालिकाना हक, वारिस रिकॉर्ड और जमीन के क्षेत्रफल में बदलाव किए। यह केवल तकनीकी अनियमितता नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार का संकेत है। जब राजस्व तंत्र, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए बना है, वही तंत्र अगर गड़बड़ी का केंद्र बन जाए, तो जनता का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। सरकार ने अधिकारियों को अनियमितताओं के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटकर कार्रवाई की तैयारी की है—अत्यंत गंभीर, गंभीर और मध्यम स्तर। यह वर्गीकरण बताता है कि जांच सतही नहीं, बल्कि व्यवस्थित ढंग से की गई है। निलंबन, तबादला और विभागीय जांच जैसे कदम जरूरी हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये कदम भविष्य में ऐसे अपराधों को रोक पाएंगे? भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए केवल दंडात्मक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होती, बल्कि प्रणालीगत सुधार भी जरूरी होते हैं। जमीन रिकॉर्ड की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाना, हर बदलाव का ऑडिट ट्रेल रखना, और समय-समय पर स्वतंत्र जांच कराना अनिवार्य है। साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही तय करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे अपने निर्णयों के परिणाम से बच न सकें। इस मामले में सेवानिवृत्त अधिकारियों की भूमिका की जांच भी एक महत्वपूर्ण संकेत है कि कानून की पकड़ से कोई बच नहीं सकता। अक्सर देखा जाता है कि सेवा समाप्त होने के बाद कार्रवाई ठंडी पड़ जाती है, जिससे गलत संदेश जाता है। अगर इस बार सेवानिवृत्त अधिकारियों पर भी सख्त कदम उठाए जाते हैं, तो यह प्रशासनिक ईमानदारी की दिशा में बड़ा संदेश होगा। जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के बाद बनी जांच समिति और उसकी रिपोर्ट पर कार्रवाई यह भी दर्शाती है कि लोकतांत्रिक तंत्र अभी जीवित है। लेकिन यह प्रक्रिया अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य नियम बननी चाहिए। हर जिले में जमीन रिकॉर्ड की नियमित समीक्षा होनी चाहिए, ताकि भ्रष्टाचार पनपने का अवसर ही न मिले। अंततः, पुणे का यह मामला एक चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि अगर समय रहते सुधार नहीं किए गए, तो ऐसे घोटाले और बढ़ेंगे। अवसर इसलिए कि सरकार इस कार्रवाई को एक मॉडल बनाकर पूरे राज्य में लागू कर सकती है। जरूरत इस बात की है कि यह कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित न रह जाए, बल्कि दोषियों को वास्तविक दंड मिले और व्यवस्था में स्थायी सुधार हो। तभी यह कदम एक मिसाल बनेगा और भ्रष्टाचार पर प्रभावी लगाम लग सकेगी।

शख्सियत

राम मनोहर लोहिया

संघर्ष, समाजवाद और सादगी की प्रेरक गाथा

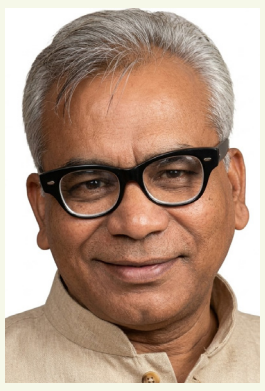

राम मनोहर लोहिया का जीवन भारतीय राजनीति, समाजवाद और जनसंघर्षों की एक अद्भुत प्रेरक गाथा है। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक गहरे चिंतक, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया।

राम मनोहर लोहिया का जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में हुआ था। उनके पिता हीरालाल लोहिया एक स्वतंत्रता सेनानी थे, जिससे बचपन से ही उनके मन में देशभक्ति के संस्कार विकसित हुए। लोहिया ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भारत में प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिए जर्मनी गए। वहाँ से उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनकी शिक्षा ने उन्हें न केवल विद्वान बनाया, बल्कि समाज की गहराई से समझ भी दी। लोहिया जी महात्मा गांधी के विचारों से अत्यंत प्रभावित थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल भी गए। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उनकी भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। अंग्रेजों के खिलाफ उनकी निर्भीकता और संघर्षशीलता ने उन्हें एक सच्चा क्रांतिकारी नेता बना दिया। स्वतंत्रता के बाद भी लोहिया जी का संघर्ष समाप्त नहीं हुआ। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों की आलोचना करते हुए समाजवादी विचारधारा को मजबूत किया। उनका मानना था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी जरूरी है। उन्होंने "सप्त क्रांति" का सिद्धांत दिया, जिसमें जाति, लिंग, आर्थिक असमानता और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष का आह्वान किया गया। लोहिया जी का जीवन सादगी और ईमानदारी का प्रतीक था। वे हमेशा आम जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देते थे। उन्होंने किसानों, मजदूरों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर आवाज उठाई। वे अंग्रेजी के अत्यधिक प्रयोग के विरोधी थे और भारतीय भाषाओं के सम्मान के पक्षधर थे। उनका मानना था कि जब तक देश अपनी भाषा और संस्कृति को नहीं अपनाएगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं है। उनकी राजनीति में नैतिकता और पारदर्शिता का विशेष महत्व था। वे सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सिद्धांतों के लिए राजनीति करते थे। यही कारण है कि आज भी उन्हें एक आदर्श नेता के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने युवाओं को हमेशा जागरूक और सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। राम मनोहर लोहिया का निधन 12 अक्टूबर 1967 को हुआ, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें व्यक्ति अपने स्वार्थ को त्यागकर समाज के लिए कार्य करे। वे हमें यह भी प्रेरणा देते हैं कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना ही सच्चा कर्तव्य है। आज के समय में, जब राजनीति में नैतिक मूल्यों की कमी महसूस की जाती है, लोहिया जी का जीवन एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करता है। उनका संघर्ष, उनके विचार और उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

जे. के. रोलिंग : जिसने कठिन समय में प्रेम के सपने बुने

ज्योति अग्रवाल

राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

'मैंने अपनी विफलता के उस दौर में स्वयं को पूरी तरह मुक्त पाया, क्योंकि मेरा सबसे बड़ा डर सच हो चुका था। मैं अभी भी जीवित थी, मेरी एक प्यारी बेटी थी, एक पुरानी टाइपराइटर मशीन थी और एक बड़ा विचार था। मेरे पास हारने को कुछ बचा नहीं दिख रहा था। असफलता का अर्थ है उन सभी अनावश्यक चीजों को त्याग देना जो आपके काम की नहीं हैं। मैंने स्वयं को उन दिखावों में उलझाना बंद कर दिया जो मैं नहीं थी, और अपनी पूरी ऊर्जा उस एकमात्र कार्य में लगा दी जो मेरे लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।'

इंसान का जीवन कठिनाइयों, असफलताओं और अनिश्चितताओं से घिरा रहता है, उस पर भी महिलाओं के जीवन हर तरह की चुनौतियों से अटा पड़ा है। महिला को हर जगह पुरुषों से ज्यादा बहुत ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई बार परिस्थितियां इतनी चुनौतीपूर्ण हो जाती हैं कि महिला खुद पर से विश्वास खोने लगती है। लेकिन वास्तव में यही वे क्षण होते हैं, जब हमें खुद को एक अवसर देने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और समस्याओं को अवसर में बदलने की आवश्यकता होती है। अक्सर महिलाएं बहुत से कारणों से मुश्किलों के सामने हार मान लेतीं हैं। पर कुछ संसार महिलाएं ऐसी हैं , जिनका जीवन महिलाओं को प्रेरणा देकर संघर्ष के मार्ग पर ले आता है। जे. के. रोलिंग उन्हीं विरली महिलाओं में से एक हैं, जिनका अद्भुत धैर्य, संघर्ष और आत्मविश्वास की महिलाओं को शक्ति देता है। जे. के. रोलिंग का जन्म 31 जुलाई 1965 को हुआ। वे विश्व प्रसिद्ध ब्रिटिश लेखिका, निर्माता हैं। उनकी कल्पना शक्ति ने 'हैरी पॉटर' जैसे जादुई पात्र को जन्म दिया, जिसने पूरी दुनिया के साहित्य और सिनेमा के परिदृश्य को बदल दिया। रोलिंग का प्रारंभिक जीवन संघर्षों की उस आग में झुलसा था जिसे सुनकर रूह कांप जाती है। कठोर संघर्ष के समय मे एक रेल यात्रा के दौरान उनके मन में जादुई बालक हैरी पॉटर का विचार जन्मा। उस समय उनकी अपनी जिंदगी किसी अंधेरी खाई में गिर रही थी। मां का असमय निधन उनके लिए एक ऐसा वज्रपात था, जिसने उन्हें भीतर से तोड़ दिया। वह अपनी मां को यह तक नहीं बता पाईं कि वे एक महान ग्रंथ लिख रही हैं। इसके बाद एक असफल विवाह और फिर विदेश की धरती पर अपनी नन्ही बेटी के साथ अकेले रह जाने की जिम्मेदारी ने उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से पूरी तरह विखंडित कर दिया था।

एक समय ऐसा भी आया जब उनके पास अपनी संतान को दूध पिलाने तक के पैसे नहीं थे। वे भीषण गरीबी और कड़कड़ाती ठंड में केवल सरकारी सहायता के भरोसे जी रही थीं। गरीबी का आलम यह था कि वे स्वयं भूखी रहतीं ताकि अपनी बेटी का पेट भर सकें। इस असहनीय दुख और अकेलेपन ने उन्हें गहरे अवसाद की उस अवस्था में पहुंचा दिया था जहां इंसान को केवल मृत्यु ही एकमात्र समाधान दिखाई देती है। लेकिन अपनी बेटी के मासूम चेहरे और अपने भीतर छिपी कहानियों के दम पर उन्होंने मौत को मात दी और कलम उठाई।

वे अक्सर छोटे-छोटे जलपान गृहों में बैठकर तब लिखती थीं, जब उनकी बेटी सो जाती थी। उनके पास कागज

खरीदने तक के पैसे नहीं होते थे, इसलिए वे फटे हुए कागजों और टुकड़ों पर अपनी जादुई दुनिया को उतारती रहीं। पूरी लगन से तैयार की गई 'हैरी पॉटर एंड द फिलॉसफर्स स्टोन' की पांडुलिपि को 12 से अधिक प्रकाशकों ने अपमानित करके अस्वीकार कर दिया। किसी ने कहा कि यह कहानी बहुत लंबी है, तो किसी ने कहा कि बच्चों को इसमें कोई रुचि नहीं होगी। यह किसी के लिए भी आत्मसम्मान को कुचल देने वाला क्षण हो सकता था, लेकिन रोलिंग की दृढ़ता ने उन्हें पीछे नहीं हटने दिया। अंततः एक छोटे प्रकाशक ने उनकी कहानी को केवल इसलिए स्वीकार किया क्योंकि उसकी आठ वर्षीय बेटी को वह कहानी बहुत पसंद आई थी।

इसके बाद उन्होंने हैरी पॉटर श्रृंखला की सात कालजयी पुस्तकें लिखीं— चेंबर ऑफ सीक्रेट्स, प्रिजनर ऑफ अजकाबान, गोबलेट ऑफ फायर, ऑर्डर ऑफ द फीनिक्स, हाफ-ब्लड प्रिंस और डेथली हैलोज़। यह श्रृंखला 80 से अधिक भाषाओं में अनूदित हुई और विश्व स्तर पर करोड़ों प्रतियों में बिकी। इन पुस्तकों पर आधारित फिल्मों ने वैश्विक स्तर पर अपार सफलता हासिल की।

रोलिंग ने केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि वयस्कों के लिए भी 'द कैजुअल वेकेंसी' जैसी गंभीर पुस्तकें लिखीं। उन्होंने रॉबर्ट गालब्रेथ के छद्म नाम से अपराध कथाओं की श्रृंखला लिखकर यह सिद्ध किया कि एक रचनाकार की प्रतिभा किसी एक श्रेणी में सीमित नहीं रहती। आज वे अनेक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हैं। अमीर हवे के बाद उन्होंने परोपकारी का रास्ता अपनाया, वे समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए लगातार अपना सर्वस्व दान कर रही हैं। वे दुनिया की पहली ऐसी व्यक्ति बनीं जो केवल दान करने के कारण अरबपतियों की सूची से बाहर हो गईं।

अपने उन अंधकारमय दिनों के अनुभवों को साझा करते हुए जे. के. रोलिंग कहती हैं:

'मैंने अपनी विफलता के उस दौर में स्वयं को पूरी तरह मुक्त पाया, क्योंकि मेरा सबसे बड़ा डर सच हो चुका था। मैं अभी भी जीवित थी, मेरी एक प्यारी बेटी थी, एक पुरानी टाइपराइटर मशीन थी और एक बड़ा विचार था। मेरे पास हारने को कुछ बचा नहीं दिख रहा था। असफलता का अर्थ है उन सभी अनावश्यक चीजों को त्याग देना जो आपके काम की नहीं हैं। मैंने स्वयं को उन दिखावों में उलझाना बंद कर दिया जो मैं नहीं थी, और अपनी पूरी ऊर्जा उस एकमात्र कार्य में लगा दी जो मेरे लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।'

आज जब नारी अपने जीवन की कहानी लिखने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है, उसे रोज नई चुनौतियों से गुजरना होता है, ऐसे में। जे. के. रोलिंग का जीवन दुनियाभर की महिलाओं को ढाढस देते हुए, उन्हे कठोर श्रम करने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन बताता है कि कठोरतम परिस्थितियों में भी प्रेम, सकारात्मकता और उत्सव लिख सकता है।

हमारी गीता

आर्यत्व और कर्तव्य का शंखनाद

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

जब कोई स्वयं को आर्य मानने वाला व्यक्ति ही कर्तव्य की घड़ी में डगमगा जाता है, तो यह केवल उसकी व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उसके आदर्शों पर भी प्रश्नचिह्न बन जाता है। युद्धभूमि में अर्जुन की यही स्थिति देखकर भगवान को आश्चर्य हुआ और उन्होंने स्पष्ट कहा—यह विषाद, यह मोह, यह दुर्बलता आर्यों को शोभा नहीं देती। यही "कश्मल" है—वह मानसिक दुर्बलता, जो मनुष्य को उसके धर्म और कर्तव्य से विमुख कर देती है। समझना आवश्यक है कि 'आर्य' कोई जाति या वर्ग नहीं, बल्कि एक उच्च मानवीय गुण है। जो व्यक्ति योग्य, श्रेष्ठ, विवेकशील और सात्विक है—वही आर्य है। आर्य वह है जो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी अपने मन को संतुलित रखता है, धैर्य नहीं खोता और कर्तव्य से पीछे नहीं हटता। इसके विपरीत, पलायन और कमजोरी को कभी भी आर्यत्व का गुण नहीं माना जा सकता। अर्जुन का जीवन इस आदर्श का प्रतीक है। वह शौर्य, पराक्रम और धैर्य का संगम है। आर्य जीवन का अर्थ ही है—संघर्षों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करना। परिस्थितियों को झुकाना, उनमें परिवर्तन लाना—यही सच्चा पुरुषार्थ है। ऐसे ही लोग अपने जीवन में स्वर्ग का निर्माण करते हैं। स्वर्ग कोई मृत्यु के बाद मिलने वाली वस्तु मात्र नहीं, बल्कि वह स्थिति है जिसे मनुष्य अपने कर्मों और दृष्टिकोण से यहीं, इसी जीवन में बना सकता है। इसके विपरीत, जो लोग कठिनाइयों से भागते हैं, वे न तो सम्मान पाते हैं और न ही संतोष। कुलधर्म और संस्कारों का पालन ही वह शक्ति है, जो विपरीत परिस्थितियों को भी सफलता और यश में बदल सकती है। जैसे एक कुशल चालक ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर भी अपने वाहन और यात्रियों को सुरक्षित रखता है, वैसे ही दृढ़ संकल्प वाला व्यक्ति जीवन की बाधाओं को सहजता से पार कर लेता है। आज के संदर्भ में यह विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। उच्च शिक्षित और पदासीन व्यक्तियों का कर्तव्य से विमुख होना, व्यसनों में लिप्त होना या भ्रष्टाचार में संलग्न होना—यह केवल व्यक्तिगत पतन नहीं, बल्कि समाज के लिए भी घातक संकेत है। ज्ञान और पद का सही मूल्य तभी है, जब वह जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ जुड़ा हो।

जीवन ऊर्जा

वर्नर वॉन ब्राउन : जन्म 23 मार्च 1912

जन्म

बड़े सपने ही बड़ी खोजों को जन्म देते हैं

वर्नर वॉन ब्राउन का जन्म 23 मार्च 1912 को विरसिट्ज़, प्रुशिया (अब पोलैंड) में हुआ था। वे महान रॉकेट वैज्ञानिक थे, जिन्होंने वी-2 और सैटर्न V रॉकेट विकसित किए। नासा में उनके योगदान से मानव चंद्रमा तक पराइवेटाइजेशन पहुंच।

अनुसंधान वही है जब हम नहीं जानते कि हम क्या कर रहे हैं। विज्ञान मानवता की सेवा के लिए है। बड़े सपने ही बड़ी खोजों को जन्म देते हैं। असंभव केवल एक चुनौती है। रॉकेट विज्ञान जटिल है पर मानव जिज्ञासा उससे भी अधिक शक्तिशाली है। प्रगति साहस मांगती है। जोखिम उठाए बिना खोज संभव नहीं। अंतरिक्ष मानवता का अगला घर है। हर असफलता एक सीख है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। भविष्य उन्हीं का है जो कल्पना करते हैं। विज्ञान और नैतिकता साथ चलने चाहिए। कठिनाइयाँ अवसर बन सकती हैं। तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए। सपनों को हकीकत बनाने के लिए मेहनत जरूरी है। विज्ञान प्रश्नों से आगे बढ़ता है। जिज्ञासा ही आविष्कार की जननी है। साहस के बिना नवाचार अधूरा है। सफलता धैर्य का परिणाम है। असफलता से डरना नहीं चाहिए। नई सोच ही परिवर्तन लाती है। मानव

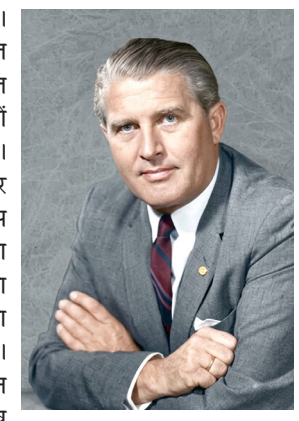

सीमाओं को तोड़ने के लिए बना है। खोज का अंत नहीं होता। सीखना कभी बंद नहीं करना चाहिए। समय का सही उपयोग ही सफलता है। विज्ञान एक यात्रा है। लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। मेहनत का कोई विकल्प नहीं। प्रेरणा भीतर से आती है। दुनिया को बदलने के लिए सोच बदलनी होगी। तकनीक मानवता को जोड़ सकती है। दृढ़ संकल्प से असंभव संभव होता है। हर दिन कुछ नया सीखो। आगे बढ़ना ही जीवन है। महान उपलब्धियाँ छोटे प्रयासों से शुरू होती हैं।

अपने विचार

बहुजन समाज को अपनी अस्मिता और सत्ता में आने के लिए एकजुट होना जरूरी है साथ ही चुनाव से पहले दिए जाने वाले प्रलोभनों से बचने की जरूरत है नहीं तो चुनाव बाद आने वाले दिन उनके लिए 'बुरे दिन' बन जाएंगे।

– मायावती
बसपा सुप्रीमो

पहले भी पाकिस्तान के नेताओं और सेना की तरफ से भारत को धमकियां दी जाती रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की सख्त नीतियों, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान दबाव में है और इसी वजह से इस तरह के बयान सामने आ रहे हैं।

-तुहिन सिन्हा
बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता

मैं यह नहीं कहूंगा कि कॉलेजियम सिस्टम एक फुलप्रूफ व्यवस्था है। दुनिया में कोई भी सिस्टम पूरी तरह से परफेक्ट नहीं हो सकता। हर व्यवस्था के अपने गुण और दोष होते हैं। लेकिन इतने वर्षों के अनुभव के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि भारत के लिए फिलहाल यही सिस्टम सबसे बेहतर है।

-बीआर गवई
पूर्व सीजेआई

6 मामले में हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है। कुछ लोग इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, जो सही नहीं है। जिन लोगों के पास कोई सबूत है, वे आगे आएं और पुलिस की मदद करें।

-देवेंद्र फडणवीस
महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जब भक्त के लिए भगवान ने उठाया बोझ

दक्षिण भारत के महान संत पोट्टणा (जिन्हें 'बोम्मरा पोतना' भी कहा जाता है) के जीवन की यह घटना 'ईश्वरीय उत्तरदायित्व' का अनुपम उदाहरण है। यह कथा सिद्ध करती है कि जब भक्त अपना सर्वस्व विधाता को सौंप देता है, तो उसकी अधूरी रचनाओं को पूर्ण करने स्वयं जगदीश्वर उतर आते हैं। पोट्टणा श्रीमद्भागवत का तेलुगु अनुवाद कर रहे थे। उनका जीवन अत्यंत सादगी और अभावों में बीत रहा था, किंतु उनके स्वाभिमान और राम-भक्ति में कोई कमी नहीं थी। एक बार जब वे 'गजेंद्र मोक्ष' के प्रसंग का वर्णन कर रहे थे, तो उनके सामने एक विचित्र साहित्यिक दुविधा खड़ी हो गई। उन्होंने लिखा कि जब ग्राह (मगरमच्छ) ने गजेंद्र का पैर पकड़ लिया और वह असहाय होकर पुकारने लगा, तब वैकुंठ में स्थित भगवान विष्णु अत्यंत हड़बड़ी में चल दिए।

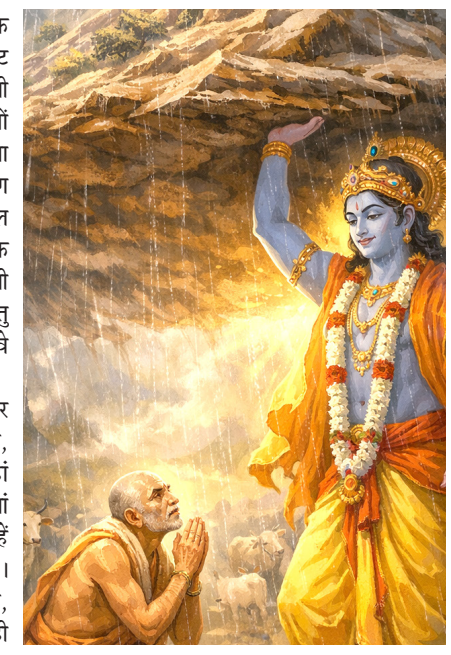

पोट्टणा ने एक पंक्ति लिखीः 'वे न तो शंख ले चले, न चक्र; न उन्होंने लक्ष्मी जी को साथ लिया और न ही सेवकों को पुकारा।'यहां आकर उनकी लेखनी रुक गई। उनके तर्कशील मन में संशय हुआ—'क्या ब्रह्मांड के स्वामी इतने विचलित हो सकते हैं कि वे अपने आयुध (शस्त्र) लेना भी भूल जाएं? क्या वे अपनी अर्धांगिनी लक्ष्मी जी को बिना बताए ही भाग खड़े होंगे?' उन्हें लगा कि शायद वे भगवान की गरिमा के विरुद्ध लिख रहे हैं। इसी उधेड़बुन में वे अपनी ताड़पत्र की पोथी वहीं छोड़कर, मन को शांत करने के लिए पास की नदी में स्नान करने चले गए।

पोट्टणा जी के जाने के कुछ ही क्षणों बाद, उनके घर के द्वार पर स्वयं साक्षात श्री राम 'पोट्टणा' का रूप धरकर प्रकट हुए। उनकी पुत्री ने समझा कि पिता स्नान करके शीघ्र लौट आए हैं। 'छद्म' पोट्टणा ने पोथी उठाई और रुकी हुई पंक्तियों को पूरा किया। उन्होंने लिखा कि भगवान गजेंद्र की करुण पुकार सुनकर इतने व्याकुल थे कि उन्हें अपने वस्त्रों तक का होश नहीं था; वे बस उसी अवस्था में भक्त की रक्षा हेतु दौड़ पड़े। इतना लिखकर वे अंतर्ध्यान हो गए।

जब असली पोट्टणा स्नान कर लौटे और अपनी पोथी देखी, तो वे अवाक रह गए। वहां उनके हस्तलेख में वे पंक्तियां पहले से लिखी थीं, जिन्हें लिखने में वे हिचक रहे थे। उन्होंने अपनी पुत्री से पूछा, तो उसने बताया कि ₹आप ही तो अभी आए थे और लिखकर तुरंत चले गए।₹ पोट्टणा जी की आंखों से अश्रुधारा बह निकली। उन्हें आभास हो गया कि उनके आराध्य ने न केवल उनकी साहित्यिक दुविधा दूर की, बल्कि उनकी रचना को 'सत्य' की मुहर भी लगा दी। पोट्टणा समझ गए कि जिसे हम 'जड़' अक्षर समझते हैं, वे भगवान के लिए जीवंत भाव हैं। जैसे मलूक दास को डाकुओं के हाथों भोजन मिला, वैसे ही पोट्टणा की लेखनी को साक्षात ईश्वर का सहारा मिला। यह घटना सिखाती है कि जब इंसान अपना 'अहं' त्यागकर खुद को यंत्र बना लेता है, तो उस यंत्र को चलाने वाला संतरी स्वयं परमात्मा बन जाता है।

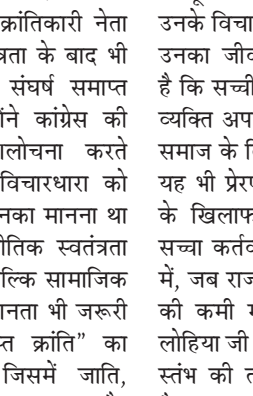

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

ओबीसी आंदोलन के वरिष्ठ नेता शब्बीर अहमद अंसारी का निधन

जालना। शब्बीर अहमद अंसारी का रविवार को महाराष्ट्र के जालना शहर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। उनके निधन की जानकारी परिजनों ने दी। अंसारी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आंदोलन के प्रमुख नेताओं में गिने जाते थे। उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक पिछड़े समुदायों के सामाजिक न्याय और अधिकारों के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। वह अखिल भारतीय मुस्लिम ओबीसी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे और इस पद पर रहते हुए उन्होंने आरक्षण और समान अधिकारों के मुद्दों को लेकर देशभर में जनसमर्थन जुटाया। अंसारी अपनी सरल भाषा और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने ओबीसी अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए कई प्रमुख हस्तियों से भी मुलाकात की थी, जिनमें दिलीप कुमार शामिल थे। उन्होंने मंडल आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन की वकालत की और मुस्लिम समुदाय के पिछड़े वर्गों को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने के लिए भी प्रयास किए। अंसारी जालना के नूतन वसाहत क्षेत्र के निवासी थे। उनके परिवार में पत्नी, तीन बेटे और छह बेटियां हैं। उनके निधन से ओबीसी आंदोलन को बड़ी क्षति पहुंची है।

दुष्कर्म मामले का आरोपित गिरफ्तार

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में रविवार को पुलिस ने दुष्कर्म मामले के आरोपित को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन भाग्यनगर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। इस घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपित की पहचान संत हरिगिर दत्तागीर गिरी महाराज (38) के रुप में की गई है। नांदेड़ शहर के गादीपुरा इलाके में महंत बालगीर महाराज का मठ है। संत हरिगीर दत्तागीर गिरी महाराज इस मठ के प्रमुख हैं। संत हरिगीर महाराज पर 47 साल की महिला ने शादी का वादा कर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता महिला के अनुसार आरोपित ने उससे शादी का वादा किया था और उसके साथ संबंध स्थापित किया। लेकिन जब महिला ने संत से शादी करने की मांग की तो संत शादी से मुकर गए। इसके बाद महिला ने इस मामले की शिकायत पुलिस स्टेशन में की थी।

ठाणे में 'रेड अलर्ट': गर्मी और प्रदूषण का डबल अटैक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

विश्व हवा दिन के मौके पर ठाणे में मौसम और पर्यावरण की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। शहर में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, वहीं हवा में सल्फर डाइऑक्साइड, ओजोन और धूल के खतरनाक कणों ने खतरे का स्तर पार कर लिया है। मनपा के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च के पहले 20 दिनों में से 10 दिन हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही। ओजोन का स्तर 188 तक पहुंच गया, जबकि पार्टिकुलेट मैटर (PM10) लगभग 130 दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

गर्मी और प्रदूषण का गहरा संबंध

विशेषज्ञों के अनुसार, बढ़ती गर्मी और प्रदूषण के बीच सीधा संबंध है। तेज धूप के कारण वाहनों के धुएं, औद्योगिक उत्सर्जन और निर्माण कार्य से निकलने वाले कण रासायनिक प्रतिक्रिया कर ओजोन जैसी हानिकारक गैसों का निर्माण करते हैं।डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यह प्रदूषण 'साइलेंट किलर' बनता जा रहा है, जिससे अस्थमा, सांस की बीमारियां और हृदय रोग का खतरा तेजी से बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

41C तापमान और बढ़ता ओजोन स्तर ठाणेकरों के लिए 'रेड अलर्ट' साबित हो रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह शहर की रहने योग्य स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

'अर्बन हीट आइलैंड' बना ठाणे

ठाणे-मुंबई क्षेत्र में तेजी से बढ़ती कंक्रीट संरचनाएं और घटते हरित क्षेत्र शहर को 'अर्बन हीट आइलैंड' में बदल रहे हैं। दिन में इमारतें गर्मी सोख लेती हैं और रात में भी ठंडक नहीं मिल पाती, जिससे लोगों को लगातार गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।पर्यावरणविद डॉ प्रशांत सिनकर ने इसे बड़े जलवायु संकट का संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल पर नियंत्रण, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और बड़े स्तर पर वृक्षारोपण जैसे ठोस कदम तुरंत उठाने होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व हवा दिन केवल औपचारिकता न रह जाए, बल्कि इसे पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस कार्रवाई का आधार बनाया जाना चाहिए।

मराठी अनिवार्यता पर सख्ती कोलशेत स्कूल को नोटिस

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में मराठी भाषा को लेकर एक बार फिर सियासत तेज हो गई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने केंद्रीय विद्यालयों में मराठी विषय लागू करने की मांग को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है। ठाणे के कोलशेत स्थित केंद्रीय विद्यालय में मराठी नहीं पढ़ाए जाने पर मनसे ने आंदोलन की चेतावनी दी है।मनसे की आपत्ति के बाद ठाणे महानगरपालिका के शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्कूल को तुरंत मराठी भाषा से जुड़े सरकारी नियम लागू करने के निर्देश दिए हैं।

70 केंद्रीय विद्यालयों पर उठे सवाल

महाराष्ट्र में केंद्रीय विद्यालय संगठन के तहत करीब 70 स्कूल संचालित हैं। इसके अलावा सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से जुड़े कई निजी स्कूल भी हैं। राज्य सरकार के नियमों के अनुसार सभी स्कूलों में मराठी भाषा पढ़ाना अनिवार्य है, लेकिन कई केंद्रीय विद्यालयों में यह लागू नहीं किया जा रहा है। मनसे के जनरल सेक्रेटरी संदीप पाचंगे ने आरोप लगाया कि कोलशेत केंद्रीय विद्यालय में न तो मराठी विषय पढ़ाया जा रहा है और न ही इसके लिए शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने इसे नियमों का उल्लंघन बताया।ठाणे मनपा ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि मराठी को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाना अनिवार्य है। निर्देश में कहा गया है कि इस व्यवस्था को तुरंत लागू किया जाए।

'नजरदोष' के बहाने नशीला पानी पिलाया, फिर किया शोषण

ढोंगी अशोक खरात की करतूत उजागर

डीबीडी संवाददाता । नासिक

आस्था के नाम पर महिलाओं का शोषण करने वाले कथित बाबा अशोक खरात को लेकर चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। 24 वर्षीय एक विवाहित छात्रा ने आरोप लगाया है कि बाबा ने 'नजरदोष' दूर करने के बहाने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता, जो डी-फार्मेसी की पढ़ाई कर रही है, अपने पति के साथ बाबा के पास आशीर्वाद लेने गई थी। बाबा ने दोनों के हाथ देखकर कहा कि उनके विवाह को 'नजर' लगी है और उसे दूर करना जरूरी है, नहीं तो महिला की जान को खतरा हो सकता है। इसके लिए उसने एक बोतल में पानी देकर तीन दिन तक बेडरूम में रखने को कहा।

नशीला पानी पिलाकर किया शोषण

पीड़िता के अनुसार, बाबा ने उसके पति को बाहर भेज दिया और उसे कमरे में रोक लिया। इसके बाद उसे एक बर्तन में रखा पानी पिलाया, जिसका स्वाद कड़वा और खारा था। पानी पीने के बाद उसे चक्कर और मितली आने लगी। इसी दौरान आरोपी ने महिला को आंखें बंद कर मंत्र जपने को कहा और कमरे की लाइट बंद कर उसके साथ जबरदस्ती की। महिला का आरोप है कि उसने खुद को भगवान का अवतार बताते हुए उसके साथ अनैतिक कृत्य किए। घटना के बाद आरोपी ने महिला को धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो वह उसे और उसके पति को जान से मार देगा। डर और सामाजिक दबाव के कारण महिला लंबे समय तक चुप रही।पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे बार-बार अपने पास बुलाता रहा और 2023 से दिसंबर 2025 के बीच कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

ऐसे सामने आया मामला

मार्च 2026 में एक रिश्तेदार ने महिला को बताया कि आरोपी बाबा ढोंगी है और इसी तरह कई महिलाओं को अपना शिकार बना चुका है। इसके बाद महिला ने हिम्मत जुटाई और 17 मार्च को नासिक के एक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी अशोक खरात को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। यह मामला एक बार फिर दिखाता है कि अंधविश्वास के नाम पर ठगी और शोषण के मामलों में सतर्क रहना कितना जरूरी है।

भंडारा में गैस संकट सिलेंडर के लिए लंबी कतारें

डीबीडी संवाददाता । भंडारा

भंडारा जिले में रसोई गैस सिलेंडर की भारी किल्लत से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कई लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर है कि बुकिंग करने और मोबाइल पर ओटीपी व डिलीवरी मैसेज मिलने के बावजूद एजेंसी पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो रहा।

25 एजेंसियों पर भारी भीड़

जिले में एचपीसीएल, आईओसीएल और बीपीसीएल के माध्यम से गैस आपूर्ति होती है। कुल 25 एजेंसियां कार्यरत हैं, जिनमें 13 एचपीसीएल की हैं। जिले में 3,66,210 कनेक्शन हैं, जिनमें 2,71,310 घरेलू और 94,860 व्यावसायिक शामिल हैं। भंडारा में प्रतिदिन औसतन 5,681 सिलेंडरों की मांग रहती है, लेकिन गैस ढुलाई करने वाले वाहनों के समय पर न पहुंचने से आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे संकट और गहरा गया है।

लोगों में बढ़ता आक्रोश

इंडेन और एचपी जैसी एजेंसियों के बाहर सुबह से ही भीड़ जुट रही है। नागरिकों का कहना है कि 8-10 दिनों से चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा, जबकि एजेंसी संचालकों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल पा रही। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि घबराकर बार-बार बुकिंग न करें, ताकि सिस्टम पर दबाव कम हो सके। हालांकि, जब तक आपूर्ति सामान्य नहीं होती, तब तक लोगों को राहत मिलने की संभावना कम ही नजर आ रही है।

अंतरराष्ट्रीय हालात का असर

जानकारी के मुताबिक खाड़ी देशों में तनावपूर्ण स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका असर स्थानीय स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। साथ ही, संभावित कमी के डर से लोग अग्रिम बुकिंग कर रहे हैं, जिससे सिस्टम पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।

सूर्य का ओजस्वी रत्न माणिक: उत्पत्ति, ज्योतिषीय महत्व और धारण विधि

रत्न शास्त्र में सूर्य के प्रधान रत्न 'माणिक' का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली माना गया है। संस्कृत में माणिक्य और उर्दू में याकूत के नाम से प्रसिद्ध यह रत्न अपनी दिव्य लालिमा के लिए जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार में दैत्यराज बलि का गर्व चूर किया, तब बलि के शरीर के खंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे रत्नों की खानें बनीं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से माणिक एल्युमीनियम और ऑक्सीजन का यौगिक है, जिसमें लोहे और क्रोमियम के मिश्रण से आकर्षक लाल रंग उत्पन्न होता है। विश्व भर में बर्मा (म्यांमार) की खानों से प्राप्त माणिक को सबसे श्रेष्ठ और मूल्यवान माना जाता है।

आयुर्वेद और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी माणिक के चमत्कारी लाभ बताए गए हैं। प्राचीन चिकित्सा पद्धति में माणिक की पिष्टी और भस्म का प्रयोग वायुनाशक और उदर रोगों के उपचार में किया जाता है। यह नेत्रों के लिए हितकारी होने के साथ-साथ वीर्यवर्धक और त्रिदोष (वात-पित्त-कफ) को शांत करने वाला माना गया है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, माणिक धारण करने से मनुष्य की मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति में अपार वृद्धि होती है। यह विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए लाभकारी है जिनके जीवन में अस्थिरता अधिक रहती है, क्योंकि यह धारक को तेजस्वी, प्रतापी और समाज में प्रभावशाली बनाता है। ग्रहों के राजा सूर्य का प्रतिनिधि होने के कारण माणिक मुख्य रूप से सिंह, मेष और वृश्चिक राशि वालों के लिए अत्यंत शुभ फलदायी है। असली माणिक की पहचान इसकी सतह पर दिखने वाली विशेष सुर्खी और धधक से होती है। बाजार में अक्सर 'लाल तुरमली' को माणिक बताकर भ्रमित किया जाता है, इसलिए अनुभवी जौहरी की सलाह अनिवार्य है। यदि आर्थिक कारणों से माणिक धारण करना संभव न हो, तो इसके विकल्प के रूप में इसका उपरत्न 'गारनेट' (तमड़ा) भी पहना जा सकता है, जो लगभग समान प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखता है।

माणिक से पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए इसे विधि-विधान से धारण करना आवश्यक है। ज्योतिषीय परामर्श के अनुसार, इसे कम से कम 4.25 (सवा चार) रत्ती या उससे अधिक वजन का पहनना चाहिए। इसे सोने, तांबे या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वाकर रविवार के दिन पूजा-अर्चना के पश्चात सीधे हाथ की अनामिका (Ring Finger) उंगली में पहनना श्रेष्ठ रहता है। रत्न पहनने से पहले उसे अपने इष्टदेव के चरणों से स्पर्श अवश्य कराएं।

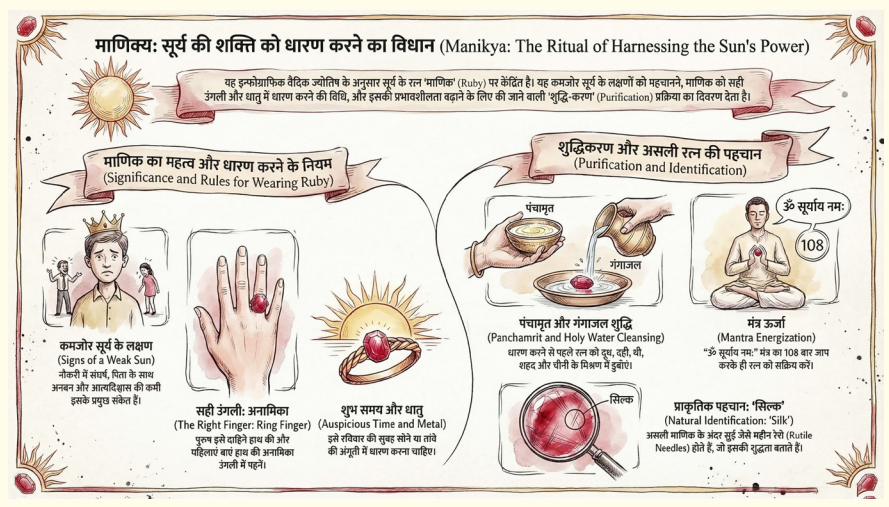

वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल

सटीक रत्न परामर्श के लिए वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल (9415038076) से संपर्क किया जा सकता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृष वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

मिथुन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

कन्या शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंबे समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

शेषनाग कालसर्प दोष: भय नहीं, समझ और संतुलन से बदलती है दिशा

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष की गहराइयों में कुछ ऐसे योग और दोष बताए गए हैं, जो व्यक्ति के जीवन पर विशेष प्रभाव डालते हैं। उन्हीं में से एक है शेषनाग कालसर्प दोष, जिसका उल्लेख कई ग्रंथों और परंपराओं में मिलता है, विशेष रूप से रावण संहिता में। ज्योतिषाचार्य पं. भरतलाल शास्त्री के अनुसार जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु बारहवें भाव में और केतु छठे भाव में स्थित होते हैं, और बाकी सभी ग्रह इनके बीच आ जाते हैं, तब पूर्ण रूप से शेषनाग कालसर्प दोष बनता है। यह केवल एक ग्रह स्थिति नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों की एक विशेष दिशा को दर्शाता है।

इस दोष को लेकर समाज में एक भय का वातावरण बना हुआ है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह दोष व्यक्ति को कमजोर नहीं करता, बल्कि उसे जीवन के संघर्षों के माध्यम से मजबूत बनाता है। यह एक ऐसा योग है, जो व्यक्ति को भीतर से झकझोरता है, ताकि वह अपनी सीमाओं को पहचान सके और उन्हें पार करने का प्रयास करे।

कहते हैं कि इस दोष के प्रभाव से व्यक्ति के मन में अशांति बनी रहती है। वह अक्सर चिंता, तनाव और अनिद्रा जैसी समस्याओं से जूझता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना, भावनाओं पर नियंत्रण न रहना और कभी-कभी खुद को अकेला महसूस करना—ये सब इस स्थिति के सामान्य संकेत माने जाते हैं। लेकिन यदि इसे केवल नकारात्मक दृष्टि से देखा जाए, तो हम इसके असली उद्देश्य को समझने से चूक जाते हैं। वास्तव में यह दोष व्यक्ति को आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित करता है।

एक युवक, जिसका नाम नीरज था, अपने जीवन में लगातार असफलताओं का सामना कर रहा था। पढ़ाई में मेहनत करने के बावजूद उसे सफलता नहीं मिल रही थी। परिवार में भी तनाव बना रहता था और उसे लगता था कि जैसे उसकी किस्मत उसका साथ नहीं दे रही। जब उसने अपनी कुंडली दिखवाई, तो उसे बताया गया कि उसमें शेषनाग कालसर्प दोष है। पहले तो वह डर गया, लेकिन एक ज्ञानी ज्योतिषी ने उसे समझाया कि यह दोष उसे कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाने आया है।

नीरज ने धीरे-धीरे अपने जीवन में अनुशासन लाना शुरू किया। उसने नियमित रूप से ध्यान और पूजा-पाठ करना शुरू किया, अपने गुस्से पर नियंत्रण रखा और नकारात्मक सोच से दूरी बनाई। कुछ समय बाद उसने महसूस किया कि उसकी मानसिक स्थिति बेहतर हो रही है। धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाने लगी और उसे अपने करियर में सफलता मिलने लगी। उसे समझ में आया कि दोष से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका दृष्टिकोण है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इस दोष का प्रभाव देखा जाता है। पेट से जुड़ी समस्याएं, जैसे पाइल्स, फिशर या अन्य पाचन संबंधी विकार, व्यक्ति को परेशान कर सकते हैं। साथ ही दुर्घटनाओं या शारीरिक चोट का खतरा भी बढ़ सकता है। लेकिन यदि व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे, नियमित व्यायाम करे और संतुलित आहार ले, तो इन प्रभावों को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। आर्थिक जीवन में यह दोष उतार-चढ़ाव ला सकता है। कभी अचानक लाभ, तो कभी अचानक हानि। कई बार व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस सकता है या धोखाधड़ी का शिकार हो सकता है। लेकिन यही अनुभव उसे सतर्क और समझदार बनाते हैं। जब व्यक्ति इन परिस्थितियों से सीखता है, तो वह भविष्य में बेहतर निर्णय लेने लगता है।

विवाह और संबंधों के मामले में भी यह दोष चुनौतियां ला सकता है। विवाह में देरी या वैवाहिक जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है।

हास्पिटल्स को मिले 1228 नर्सिंग अफसर

▸▸ मुख्यमंत्री ने कहा- पारदर्शी तरीके से की जा रही हैं भर्तियां

▸▸ 13 मेडिकल कालेजों में भी बांटा गया नियुक्ति प्रमाणपत्र

एजेंसी । लखनऊ

प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। राजधानी स्थित लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 492 अभ्यर्थियों को सीधे नियुक्ति पत्र सौंपे। शेष 736 अभ्यर्थियों को 13 राजकीय मेडिकल कॉलेज और दो चिकित्सा संस्थानों में आयोजित लाइव कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यमंत्री समेत विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने की है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्सिंग पेशा आज वैश्विक स्तर पर मांग में है और इस क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में बीते वर्षों में हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और मेरिट आधारित बनाया गया है, जिससे युवाओं को निष्पक्ष अवसर मिल रहे हैं।

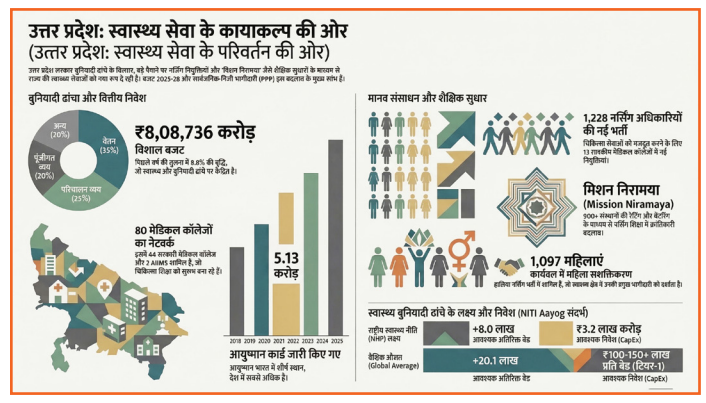

नौ साल में नौ लाख सरकारी भर्तियां

सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में नौ लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां की गई हैं। साथ ही स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 80 से अधिक हो चुकी है और "एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज" की अवधारणा को जमीन पर उतारा गया है।

संसाधन विहीन था हेल्थ सेक्टर

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती व्यवस्थाओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले स्वास्थ्य सेवाओं में संसाधनों और जवाबदेही की कमी थी, लेकिन अब सरकार ने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया है। उन्होंने नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा को भी सशक्त बनाने की बात कही और बताया कि बंद हो चुके एएनएम व जीएनएम संस्थानों को फिर से संचालित कर बेहतर बनाया गया है।

इन जनपदों में की जाएगी तैनाती

इन नव चयनित नर्सिंग अफसरों की नियुक्ति आगरा, कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, झांसी, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, कन्नौज, आजमगढ़, जालौन, सहारनपुर, बांदा और बदायूं के मेडिकल कॉलेजों के साथ जेके कैंसर संस्थान और हृदय रोग संस्थान, कानपुर में की जाएगी। इन अभ्यर्थियों में 1097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

बस्तर हेरिटेज मैराथन: रिकॉर्ड 9,800 धावकों ने लगाई दौड़

एजेंसी । जगदलपुर

जगदलपुर में आयोजित 'बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026' में उत्साह का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला, जहां 9,800 से अधिक धावकों ने हिस्सा लेकर नया रिकॉर्ड बनाया। यह आयोजन खेल के साथ-साथ क्षेत्र में शांति और बदलाव की झलक भी पेश करता नजर आया। मैराथन की मुख्य 42 किमी दौड़ लालबाग मैदान से शुरू होकर चित्रकोट जलप्रपात तक पहुंची, जबकि 21, 10 और 5 किमी की श्रेणियों में भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया।

25 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार

प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए 25 लाख रुपये की इनामी राशि घोषित की गई थी। साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए विशेष श्रेणी और निःशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था भी की गई। समापन समारोह में जनप्रतिनिधियों ने इसे बस्तर में शांति, विकास और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के विस्तार पर जोर दिया।

कई राज्यों से भाग लेने आए धावक

आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ बस्तर संभाग के बड़ी संख्या में धावकों की भागीदारी रही, जिससे इसकी व्यापकता और बढ़ गई। स्थानीय समुदाय, खासकर मांझी-चालकी समाज की सक्रिय मौजूदगी ने आयोजन को सामाजिक रूप से भी खास बना दिया। प्रशासन ने इस आयोजन को क्षेत्र की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करने का माध्यम बताया। अधिकारियों के अनुसार, ऐसे कार्यक्रम न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देते हैं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और बदलते माहौल को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

एलएसडी कांड: STF के चार पुलिस कर्मी टर्मिनेट

▸▸ एसटीएफ के कुल्लू यूनिट में तैनात थे चारों आरोपी

▸▸ एलएसडी तस्करी नेटवर्क में सामने आई संलिप्तता

एजेंसी । शिमला

शिमला में एलएसडी ड्रग्स तस्करी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए हिमाचल प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ कुल्लू के चार पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन पर तस्करी नेटवर्क से मिलीभगत के आरोप साबित होने के बाद यह कदम उठाया गया। मामला 10 मार्च का है, जब न्यू शिमला क्षेत्र में पुलिस ने दो आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में एलएसडी बरामद की थी। जांच में सप्लाई चेन का खुलासा हुआ और केरल के एक आरोपी को गुरुग्राम से पकड़ा गया।

पहले निलंबन अब बर्खास्तगी

पड़ताल के दौरान यह भी सामने आया कि खेप कुल्लू लाई गई थी, जहां तैनात पुलिसकर्मी इसे रोकने के बजाय तस्करों के साथ शामिल हो गए। आरोपों की पुष्टि होने पर चारों पुलिसकर्मियों को पहले निलंबित किया गया, फिर गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया और अब सेवा से निष्कासित कर दिया गया है। पुलिस ने इसे अनुशासनहीनता और आपराधिक साजिश का गंभीर मामला बताया है।

नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'

पुलिस मुख्यालय ने साफ किया है कि नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत किसी भी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इससे पहले भी ऐसे मामलों में कई पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है। अधिकारियों ने आम जनता, खासकर युवाओं से अपील की है कि नशे से जुड़ी किसी भी सूचना को तुरंत पुलिस तक पहुंचाएं, ताकि इस अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके।

जनसुराज का मकसद व्यापक बदलाव, सिर्फ चुनाव नहीं: प्रशांत किशोर

एजेंसी । नवादा

नवादा में जनसुराज अभियान के तहत आयोजित कार्यकर्ता बैठक में प्रशांत किशोर ने संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय पहुंच बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य में समग्र बदलाव लाने का प्रयास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिहार में वास्तविक विकास तभी संभव है, जब आम लोगों तक जागरूकता और भागीदारी बढ़े। जनसुराज का उद्देश्य हर गांव और हर परिवार तक विकास की सोच पहुंचाना है, ताकि लोग अपने अधिकारों और जरूरतों को लेकर सजग हों।

रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरा

रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि आज भी बड़ी संख्या में युवाओं को काम की तलाश में राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर छोटे उद्योगों के विकास की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे पलायन पर रोक लग सकती है।

भ्रष्टाचार पर दी तीखी प्रतिक्रिया

भ्रष्टाचार को लेकर भी उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि व्यवस्था में पारदर्शिता लाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें और गलत व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाएं।

संगठन के विस्तार पर दिया जोर

बैठक के अंत में प्रशांत किशोर ने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि जनसुराज को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए हर कार्यकर्ता को अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

चार हजार एकड़ मकई की फसल चौपट

सुपौल। सुपौल के राघोपुर प्रखंड में शुक्रवार शाम आए तेज तूफान, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने व्यापक तबाही मचाई। अचानक बदले मौसम ने किसानों की तैयार खड़ी मकई फसल को बर्बाद कर दिया। प्रारंभिक आकलन के मुताबिक, इलाके में 4 हजार एकड़ से अधिक फसल पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। प्रभावित क्षेत्रों में खेतों में खड़ी फसल जमीन पर गिरकर खराब हो गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक झटका लगा है। कई किसानों का कहना है कि फसल इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि अब वह पशुओं के चारे लायक भी नहीं बची। हुलास, डुमरी, हरिपुर और फिंगलास समेत कई पंचायतों में नुकसान का दायरा व्यापक बताया जा रहा है। किसानों ने बताया कि इस बार अच्छी पैदावार की उम्मीद थी, लेकिन अचानक आई आपदा ने सारी मेहनत पर पानी फेर दिया। आर्थिक संकट से जूझ रहे किसानों ने प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि समय पर राहत नहीं मिली तो आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है।

खल्लारी मंदिर का रोपवे टूटा, श्रद्धालु की मौत

▸▸ दस दर्शनार्थी घायल, जांच के आदेश

▸▸ नवरात्र की वजह से उमड़ रही भीड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले स्थित खल्लारी माता मंदिर में रविवार को बड़ा हादसा हो गया, जब श्रद्धालुओं को ले जा रहा रोपवे अचानक टूटकर गिर पड़ा। हादसे में एक महिला की मौके पर मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। नवरात्रि के चलते मंदिर में भारी भीड़ के बीच यह दुर्घटना हुई, जब ऊपर जा रही रोपवे की ट्रॉलियां अचानक नियंत्रण खोकर नीचे आ गिरीं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस दुर्घटना में रायपुर निवासी आयुषी सतकर (28 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई है। दस लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिसमें आठ की हालत नाजुक है।

सीएम साय ने जताई संवेदना

घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतका के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने हादसे की विस्तृत जांच के आदेश देते हुए स्पष्ट किया है।

व्यापार जगत

मार्च में 88 हजार करोड़ रुपये की निकासी

विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली जारी, बाजार पर दबाव

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) मार्च महीने में भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। महीने के तीसरे सप्ताह तक एफपीआई करीब 88,180 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं, जिससे बाजार पर दबाव बना हुआ है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि जब तक वैश्विक हालात स्थिर नहीं होते, तब तक विदेशी निवेशकों का सतर्क रुख जारी रह सकता है, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सुरक्षित विकल्प की तलाश में निवेशक

विशेषज्ञों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और डॉलर की मजबूती ने निवेशकों का भरोसा प्रभावित किया है। इसके अलावा अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के चलते वैश्विक निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

2026 में एक लाख करोड़ निकाले

आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की शुरुआत से अब तक विदेशी निवेशक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक पूंजी बाजार से निकाल चुके हैं। जनवरी में जहां बड़ी निकासी हुई, वहीं फरवरी में हल्की खरीदारी देखने को मिली, लेकिन मार्च में फिर से बिकवाली का रुख तेज हो गया है।

डीआईआई की खरीदारी से बाजार स्थिर

हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लगातार खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया है। मार्च के शुरुआती तीन हफ्तों में डीआईआई ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर गिरावट को सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई है।

सोना 2900, चांदी में 9900 की गिरावट

सर्राफा बाजार पर दबाव बरकरार, सप्ताहभर में 13 हजार सस्ता हुआ सोना

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है, जहां सोना और चांदी दोनों के दामों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। रविवार को सोना करीब 2,700 से 2,900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ, जबकि चांदी में करीब 9,900 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली। मौजूदा स्तर पर 24 कैरेट सोना लगभग 1.45 लाख से 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है, वहीं 22 कैरेट सोना करीब 1.33 लाख रुपये के आसपास बना हुआ है। चांदी की कीमत भी गिरकर दिल्ली बाजार में करीब 2.45 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

चांदी की कीमत में 30000 की गिरावट

साप्ताहिक आधार पर गिरावट और ज्यादा गहरी रही है। बीते सप्ताह में 24 कैरेट सोना 13,000 रुपये से अधिक सस्ता हुआ, जबकि 22 कैरेट में भी 12,000 रुपये से ज्यादा की कमी दर्ज की गई। चांदी की कीमत में भी पूरे सप्ताह के दौरान करीब 30 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और निवेशकों की बदली रणनीति के चलते कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है, जिसके कारण सर्राफा बाजार में नरमी बनी हुई है।

टॉप-10 कंपनियों का मार्केट कैप 1.02 लाख करोड़ घटा

बाजार में उतार-चढ़ाव बरकरार, एचडीएफसी को सर्वाधिक नुकसान

एजेंसी । नई दिल्ली

बीते कारोबारी सप्ताह में शेयर बाजार की उठापटक के बीच देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण में कुल 1.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान HDFC Bank को हुआ, जबकि Hindustan Unilever दूसरे स्थान पर रहा। गिरावट झेलने वाली कंपनियों में Bajaj Finance, Tata Consultancy Services और ICICI Bank भी शामिल रहीं। इन कंपनियों के मार्केट कैप में सप्ताहभर के कारोबार के दौरान उल्लेखनीय कमी आई।

पांच कंपनियों को 86 हजार करोड़ का मुनाफा

वहीं दूसरी ओर, पांच कंपनियों ने बाजार में मजबूती दिखाते हुए कुल 86 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा किया। इनमें Reliance Industries को सबसे अधिक फायदा हुआ, जबकि Bharti Airtel मुनाफे के मामले में दूसरे स्थान पर रही।

SBI, एलआईसी और इंफोसिस भी फायदे में

इसके अलावा State Bank of India, Life Insurance Corporation of India और Infosys के मार्केट कैप में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे बाजार में संतुलन बना रहा। मार्केट कैप के लिहाज से Reliance Industries देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही, जबकि इसके बाद HDFC Bank और Bharti Airtel का स्थान रहा।

लांच की तैयारी में सात आईपीओ, चार की लिस्टिंग तय

प्राइमरी मार्केट में हलचल तेज, बीते सप्ताह खुले दो आईपीओ में भी निवेश का मौका

एजेंसी । नई दिल्ली

आने वाला कारोबारी सप्ताह प्राइमरी मार्केट के लिए व्यस्त रहने वाला है। 23 मार्च से शुरू हो रहे सप्ताह में कुल सात कंपनियां अपने आईपीओ बाजार में उतारेंगी, जिनमें मेनबोर्ड और एसएमई दोनों सेगमेंट शामिल हैं। इसके साथ ही पिछले सप्ताह खुले दो आईपीओ में निवेश का मौका भी जारी रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में Tipco Engineering का एसएमई इश्यू खुलेगा, जबकि 24 मार्च को Sai Parenterals, Ameer Chand Jagdish Kumar और Powerica Limited अपने-अपने आईपीओ लॉन्च करेंगी। इसी दिन Highness Microelectronics का एसएमई इश्यू भी खुलेगा। इसके बाद 25 मार्च को Vivid Electromech और सप्ताह के अंत में 27 मार्च को Emiic Technologies का आईपीओ निवेश के लिए उपलब्ध होगा। इनमें कुछ इश्यू अप्रैल के पहले और दूसरे सप्ताह में सूचीबद्ध हो सकते हैं।

बाजार में मिलेंगे भरपूर विकल्प

वहीं पहले से खुले Speciality Medicines और CMPDIL के आईपीओ में भी 24 मार्च तक निवेश का अवसर रहेगा। लिस्टिंग फ्रंट पर भी हलचल रहेगी। इस सप्ताह Innovision, GSP Crop Science, Rajmarg Infra Investment Trust और Novus Loyalty के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना है। विशेषज्ञों के मुताबिक, निवेशकों के लिए यह सप्ताह विविध विकल्पों के साथ अवसरों से भरा रहेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को चौथे टी-20 में दी मात

एजेंसी । वेलिंगटन

दक्षिण अफ्रीका की पुरुष टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में वापसी करते हुए रविवार को चौथे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 19 रनों से हरा दिया और सीरीज में 2-2 की बराबरी कर ली है। सीरीज का आखिरी टी20 मुकाबला 25 मार्च को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने वेलिंगटन में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने 165 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की और पावरप्ले में 50 से ज्यादा रन बनाए। हालांकि इस दौरान उसके दो विकेट भी गिरे। कैप्टेन क्लार्क 9 रन और टिम रॉबिन्सन 32 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड का तीसरा विकेट नौवें ओवर में डेन क्लीवर के रूप में गिरा। उन्होंने 26 रन बनाए। इसके बाद बेवोन जैकब्स 3 रन और कप्तान जेम्स नीशम 6 रन बनाकर सस्ते में आउट हुए। 14वें ओवर में निक केली 19 रन और कोल मैककॉन्ची 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अंत में जैकरी फॉल्क्स 7, जोश क्लार्कसन 10 रन और काइल जैमीसन 13 रन बनाकर आउट हुए और पूरी टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने 19 रन से मैच जीत लिया।

एस्टरहुइजन की अर्धशतकीय पारी अहम

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी ने 3, ओटनील बार्टमैन, प्रेनेलन सुब्रायन और केशव महाराज ने 2-2 तथा वियान मुल्डर ने एक विकेट लिया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 164 रन बनाए थे। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने सर्वाधिक 57 रनों की पारी खेली। जिसमें उन्होंने तीन छक्के और सात चौके लगाए। इसके अलावा टोनी डी जॉर्जी ने 23, रुबिन हर्मनन ने नाबाद 28 रन, डियान फोरेस्टर ने 19 और जेसन स्मिथ ने 19 रन बनाए और जॉर्ज लिंडे ने नाबाद 14 रन का योगदान दिया।

भारत की अंडर-20 महिला टीम में काफी सुधार हुआ है : कोच एलेक्जेंडर्सन

नई दिल्ली। जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने कहा है कि एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद से भारतीय अंडर-20 महिला टीम के प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम थाईलैंड में होने वाले टूर्नामेंट में मजबूत एशियाई टीमों को कड़ी टक्कर देगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए बैंकॉक पहुंच चुकी है। टीम को ग्रुप सी में रखा गया है, जहां उसका पहला मुकाबला 2 अप्रैल को जापान अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम से होगा। इसके बाद भारत 5 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम और 8 अप्रैल को चीनी ताइपे अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम से भिड़ेगा। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार, प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमें इस साल के अंत में पोलैंड में होने वाले फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। कोच एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि अगस्त में क्वालीफाई करने के बाद टीम ने हर विभाग में प्रगति की है। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों की पासिंग, मूवमेंट और अटैक में स्पष्टता बढ़ी है, जबकि डिफेंस और गोलकीपिंग में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

ऑस्ट्रेलिया ने जारी किया 2026-27 का शेड्यूल

भारत के खिलाफ खेलेगा पांच टेस्ट

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2026-27 सत्र के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस दौरान टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है और उसे भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा। जनवरी से मार्च 2027 के बीच भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला, प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जाएगी। यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद अहम मानी जा रही है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को दिसंबर से मार्च के बीच करीब 14 सप्ताह में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं, जिससे खिलाड़ियों पर काम का दबाव काफी ज्यादा रहेगा। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम के लिए यह दौरा बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के लिए यह दौरा खास महत्व रखता है, क्योंकि टीम अब तक भारत में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है।

ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों से करेगा। इसके बाद वह अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर तीन टेस्ट खेलेगा। दिसंबर-जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद टीम भारत दौरे पर जाएगी, जहां जनवरी से मार्च के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। सत्र का समापन मार्च 2027 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ पर खेले जाने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच से होगा।

न्यूजीलैंड महिला टीम की 6 विकेट से जीत

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है।

सीरीज का आखिरी मैच 25 मार्च को क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेला जाएगा। वेलिंगटन में रविवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन एनेरी डर्कसेन ने बनाए। उन्होंने 32 गेंदों में नाबाद 55 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में आठ चौके और एक छक्का शामिल था। डर्कसेन के अलावा सलामी बल्लेबाज सुने लूस ने 29 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। इनके अलावा नादिन डी क्लर्क 20 रन, क्लो ट्रायोन ने 14 रन, कायला रेनेके ने 13 रन और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 10 रन का योगदान दिया।न्यूजीलैंड की ओर से जेस केर ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके।

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल : पीसीबी प्रमुख नकवी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को घोषणा की कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के मद्देनज़र पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण बिना दर्शकों के आयोजित किया जाएगा। यह फैसला सुरक्षा और सावधानी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताया कि लीग का आयोजन तय कार्यक्रम के अनुसार 26 मार्च से ही होगा, लेकिन स्टेडियम में दर्शकों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, "पीएसएल एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड है और हमारा गौरव है, इसलिए इसका आयोजन जारी रहेगा, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।"

नकवी ने स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के मैच कराची और लाहौर में ही खेले जाएंगे। विदेशी खिलाड़ियों के पाकिस्तान पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की आशंका को खारिज किया है। उनका कहना है कि खिलाड़ियों और आयोजन की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

बॉलीवुड

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' की दहाड़

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने रिलीज के महज तीन दिनों के भीतर ही दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। वहीं, भारत में भी यह फिल्म 300 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है, जिससे इसकी सफलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने तीसरे दिन यानी शनिवार को भारत में 113 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसमें हिंदी वर्जन का कलेक्शन 105 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही फिल्म का कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 339.27 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। महज तीन दिनों में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, जो फिल्म की जबरदस्त लोकप्रियता को दर्शाता है।

फिल्म की सफलता में दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और जुबानी तारीफ का बड़ा योगदान रहा है। सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह की दमदार एक्टिंग और आदित्य धर के निर्देशन की जमकर सराहना हो रही है। ईद वीकेंड का भी फिल्म को भरपूर फायदा मिला है और ट्रेड पंडितों का मानना है कि ओपनिंग वीकेंड में यह फिल्म 400 से 500 करोड़ रुपये तक का कारोबार कर सकती है।

फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

रणदीप का भावुक पोस्ट : सावरकर के 2 साल

फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के रिलीज के दो साल पूरे होने पर अभिनेता-निर्देशक Randeep Hooda ने एक भावुक पोस्ट शेयर किया है। इस खास मौके पर उनकी पत्नी Lin Laishram ने भी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर गर्व जताया है। रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से जुड़ा एक वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में उन्होंने न सिर्फ अभिनय किया, बल्कि निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभाली। उन्होंने लिखा, "मैंने इस किरदार को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि जिया है। यह सफर हमेशा मेरे साथ रहेगा।"

पेद्दी में खास नृत्य सरप्राइज!

मृणाल ठाकुर की अतिथि भूमिका संभव

फिल्म पेद्दी को लेकर नई चर्चा सामने आई है। खबर है कि इस फिल्म के एक खास नृत्य गीत में राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ मृणाल ठाकुर भी अतिथि भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में एक ऊर्जावान नृत्य गीत शामिल किया गया है, जिसे और खास बनाने के लिए मृणाल ठाकुर को जोड़ा जा सकता है। Sita Ramam से पहचान बना चुकी मृणाल का यह अंदाज दर्शकों के लिए नया और रोचक हो सकता है।

'हजार लोग मिलेंगे' अक्षरा सिंह का इमोशनल संदेश

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह ने एक बार फिर अपने भावुक पोस्ट से फैंस का ध्यान खींचा है। रविवार को साझा किए गए उनके संदेश को लोग 'क्रिप्टिक' मान रहे हैं, जिसमें उन्होंने जिंदगी, संघर्ष और हौसले को लेकर खास बात कही है। अक्षरा सिंह ने अपने संदेश में लिखा कि जिंदगी में हजारों लोग मिलते हैं, लेकिन बहुत कम लोग ही किसी के संघर्ष और त्याग को समझ पाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी को मजबूत बनाए रखने के लिए सिर्फ इतना कहना काफी होता है—'मैं हूं ना, तुम अच्छा कर रहे हो। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि चाहे लड़का हो या लड़की, जीवन में आगे बढ़ते रहना ही सबसे बड़ी जीत है। अक्षरा सिंह ने एक और पोस्ट में चैत्र नवरात्रि के मौके पर माता रानी को समर्पित भजन भी साझा किया। उन्होंने बताया कि तबीयत ठीक न होने के बावजूद उन्होंने अपना वादा निभाते हुए भजन गाया और मां को अर्पित किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षरा सिंह इन दिनों अपनी फिल्म 'अम्बे है मेरी मां' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह मां दुर्गा की भक्त के किरदार में नजर आएंगी!

साक्षात्कार

दुनिया में अभी भी बुराई से अच्छाई ज्यादा है : स्वामी शान्तिस्वरूपानन्द

अध्यात्म और समाज के अंतर्संबंधों को समझने के लिए 'दोपहर' के संपादक अरुण लाल ने पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महामंडलेश्वर 1008 श्री स्वामी शान्तिस्वरूपानन्द गिरि महाराज से एक विशेष भेंट की। चारधाम मंदिर (उज्जैन) की स्थापना करने वाले पीठाधीश्वर स्वामी ने इस मुलाकात के दौरान धर्म की आधुनिक प्रासंगिकता, सामाजिक समरसता और मानव जीवन के वास्तविक मूल्यों पर खुलकर अपने विचार रखे।

Q गुरु जी, आपके हिसाब से धर्म क्या है?

देखिए, धारण करने वाली शक्ति को ही धर्म कहा जाता है। हम सहज रूप से कहते हैं कि कोई व्यक्ति निरंतर क्रोध में नहीं जी सकता है। सबको शांति चाहिए। मनुष्य शांति में देर तक बैठ सकता है, क्रोध में देर तक नहीं रह सकता है। ऐसे ही हम लोग कहते हैं कि मुट्ठी को बांधकर रखना प्रयत्न है, प्रयास है; जबकि सहज रूप से छोड़ देना हमारी अपनी प्रकृति है। तो प्रकृति में जीना ही धर्म है। और प्रकृति से हटकर जो भी होता है अर्थात मानव की जो प्रकृति है जैसे कोई कहे कि आप बोलते रहो, हम सुनेंगे, आप 24 घंटे बोलो, हम सुनेंगे, तो आप नहीं बोल सकते, आप गिर जाएंगे। इसका मतलब है कि बोलना भी लगातार नहीं किया जा सकता और कर्म भी लगातार नहीं किया जा सकता। परंतु बिना बोले मौन में आप कई वर्षों तक भी रह सकते हैं। तो जो मानव की सहज प्रवृत्ति है, सहज स्वभाव है, उसमें जीना ही धर्म है। जैसे हम लोग कहते हैं कि पृथ्वी धारण करने वाली शक्ति को धर्म कहा जाता है, तो वह धारणा शक्ति पृथ्वी की ही है; पृथ्वी अपने गुणधर्म से भिन्न नहीं होती है। तो प्रकृति में हम सब लोगों ने देखा है कि चाहे पशु हो या पक्षी, वह अपने-अपने धर्म में रहता है। इसलिए गाय को कभी मांसाहारी नहीं देखा होगा आपने और शेर को कभी घास खाते नहीं देखा होगा। यह प्रकृतियां हैं और प्रकृति ही व्यक्ति का धर्म निर्धारित करती है।

Q गुरु जी, तो इसका मतलब है कि काम, क्रोध, मद, लोभ, यह सब इंसान के जीवन में अनिवार्य हैं? एक आम आदमी के जीवन में?

नहीं, देखिए, भगवान ने प्रकृति सबको दी है। उसी पर संयम करना भी शास्त्रों ने सबको सिखाया है। देखो, मनुष्य वह है जिसके अपने नियम हों। जैसे हम लोग कहते हैं कि भारत में रहना है तो संविधान को मानना है। रेड लाइट पर नहीं जाएंगे, क्योंकि रेड लाइट पर निकलना निषेध है, ठीक है? ऐसे ही मानव को शांति और आनंद की खोज के लिए शास्त्रों में अनुशासन बताए गए हैं। शास्त्र के आधार पर जीवन जिएंगे, तभी आप शांति तक जा सकेंगे और आनंद तक पहुंच सकेंगे।

Q तो जैसे आप कह रहे हैं काम-क्रोध के बारे में, यह भगवान ने सबको दिया है?

आहार-निद्रा-भय-मैथुनं च सामान्यमेतत् पशुभिर्नराणाम्—यह पशु और मनुष्य, दोनों को समान रूप से दिया गया है। लेकिन वह केवल संतानोत्पत्ति के लिए है, उसके अलावा ब्रह्मचर्य का पालन करना भी शास्त्रों ने कहा है, अर्थात संयमित जीवन जीना चाहिए। अगर आप संयमित जीवन नहीं जिएंगे, तो काम की प्रवृत्ति से अपने शरीर, मन और बुद्धि सबको नष्ट कर लेंगे। ऐसे ही क्रोध है। क्रोध कभी-कभी आवश्यक भी होता है, क्योंकि 'बिनय न मानत जलधि जड़ गए तीनि दिन बीति, बोले राम सकोप तब भय बिनु होइ न प्रीति' अर्थात सच्ची प्रीति के लिए कभी-कभी भय और क्रोध भी आवश्यक होते हैं। परंतु क्रोध में सदा रहना स्वभाव नहीं है। जैसे पानी हमेशा गरम नहीं रह सकता, आप उसे गरम करके छोड़ देंगे तो वह ठंडा हो जाएगा। यह उसकी अपनी प्रकृति है, यही उसका धर्म है। ऐसे ही चाहे लोभ हो या अन्य विकार, उन सबकी एक सीमा होती है कि कहां तक जाना है। जैसे कोई लोभी है, तो आवश्यकताओं की पूर्ति और सुखभोग के लिए जितना आवश्यक है, उतना ठीक है। लेकिन यदि जीवन में असंतोष ही बना रहे, तो यह उचित नहीं है। इसलिए हम लोग कहते हैं कि कंस की दो पत्नियां थीं अस्ति और प्राप्ति। अस्ति का अर्थ है 'इतना है' और प्राप्ति का अर्थ है 'और मिल जाए'। कंस का अर्थ है अहंकार। अहंकार की दो प्रवृत्तियां होती हैं; हम सबमें अहंकार है और उसकी यही दो प्रवृत्तियां हैं। 'इतना है' और 'इतना नहीं है, इसलिए और मिल जाए, ज्यादा मिल जाए, इसका भी मेरा हो जाए, उसका भी मेरा हो जाए, इसका भी छीन लें, उसका भी छीन लें'—यह जो प्रवृत्ति है, यह धर्मयुक्त नहीं है। इसलिए इसे संयमित करना आवश्यक है। जैसे मनुष्य की अपनी आवश्यकताएं हैं कि आपका पेट भर गया, तो इतना भोजन आपका अधिकार है। लेकिन पेट भरने के बाद भी अगली पीढ़ी और तीसरी पीढ़ी के लिए इकट्ठा करना लोभ है।

Q गुरु जी, संतों के बारे में बोला जाता है कि वह राजनीति में... जैसे योगी आदित्यनाथ जी हैं, उनका मठ बहुत बड़ा मठ है। उसके बाद वह उत्तर प्रदेश के सीएम बने। तो कहा जाता है कि संत को राजनीति में नहीं आना चाहिए, आपके क्या विचार हैं?

पहले तो यह कह सकते हैं कि धर्म का अनुशासन सदा से राजनीति पर रहा है। गुरु वशिष्ठ महाराज दशरथ के ऊपर अनुशासन करते थे। हमारे यहां धर्मदंड का बड़ा विधान रहा है। राजा उच्छृंखल ना हो, प्रजा का अनुशासन खराब ना हो, उसके लिए धर्म का एक विधान सदा से रहा है। आज भी मुझे लगता है कि समाज से धर्म के दूर होने के कारण जो विकृतियां आई हैं, उनको ठीक करने के लिए योगी जैसे लोगों को राजनीति में आना बहुत जरूरी है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि सभी संतों को राजनीति में जाना चाहिए, लेकिन जिनमें योग्यता और क्षमता है, उन्हें अवश्य आना चाहिए। यदि कोई संत साधना करते हुए, मठ संभालते हुए, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य को बेहतर दिशा में ले जा रहा है, तो उसे राजनीति में आगे बढ़ना चाहिए। ऐसा महात्मा, जिसने साधना भी की हो और समाज को भी सुधारा हो—यह कार्य हर किसी के बस की बात नहीं है। इसलिए सब संत राजनीति में नहीं जाते हैं, पर जो गए हैं वह ठीक हैं। क्योंकि अगर कोई व्यक्ति बहुत ईमानदारी से अगर समाज में काम करेगा तो वह संत ही कर सकता है। राजनेता तो भले भारत में अपना बंगला छोटा बनाएंगे लेकिन विदेशों में जाकर बड़ा बना के यहां का पैसा वहां जाकर रख देंगे। संत है जिसने यह सीखा है कि भाई यह समाज है और समाज की सेवा करना मेरा उद्देश्य है।

Q गुरु जी, इस समय जो है ना तामसिक प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। कलियुग का प्रभाव बढ़ रहा है। यह आगे किस दिशा में जाएगा और कैसे इसको सात्विक रखा जाए?

हम लोग तो बस इतना ही कहते हैं कि आज भी समाज में अच्छे लोगों की कमी नहीं है। सदाचारी लोग, भक्त लोग, धार्मिक लोग, श्रद्धालु लोग, दूसरों पर दया करने वाले लोग आज भी हैं समाज में। और उसका प्रभाव है केवल संतों का सत्संग और संतों की सन्निधि। जो समाज संतों से, शास्त्रों से जुड़ा रहता है वह अपने मूल धर्म में स्थित रहता है। इसीलिए आज भी जो आपको मानवता समाज के बीच थोड़ी भी देखने को मिलती है, उसका यही मतलब है कि उनके घरों पर या उनके मनों पर अभी भी कलियुग का बहुत प्रभाव नहीं है। तो समाज में यद्यपि प्रचार की दृष्टि से अखबारों में बुरे लोग जल्दी छपते हैं, अच्छे लोग छपते नहीं हैं। जो सेवा कर रहे हैं उनको कोई दिखाता नहीं है या उन्हें ज्यादा छपने का शौक नहीं है, और जो बुरा करते हैं वह छप जल्दी जाते हैं। इसलिए लगता है कि समाज में बुराई बहुत हावी हो गई है, अच्छाई खत्म हो गई है, जबकि यह है कि आज भी अच्छाई का अनुपात अधिक है।

न्यूज़ ब्रीफ

आतिशी ने निलंबित विधायकों को बहाल करने की मांग की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने रविवार को विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर निलंबित विधायकों को सदन में बहाल करने की मांग की। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि विधानसभा केवल सरकार का मंच नहीं है, बल्कि यह पक्ष और विपक्ष दोनों की सहभागिता से संचालित होने वाला एक लोकतांत्रिक संस्थान है। आतिशी ने बताया कि हाल ही में संपन्न विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष के सदस्यों को बिना किसी कारण सदन से बाहर किया गया और पूरे सत्रावधि तक उन्हें परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इसके विपरीत सत्ता पक्ष के सदस्यों ने लगातार तीन दिनों तक सदन नहीं चलने दिया, पर अध्यक्ष ने कोई कार्रवाई नहीं की। आतिशी ने कहा कि यह कदम न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि विधानसभा की मर्यादा को भी कमजोर करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निलंबन चुने हुए जनप्रतिनिधियों के विशेषाधिकारों का हनन है और उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रयोग में बाधा डालने के बराबर है।

पप्पू यादव की पहल, हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को मुफ्त LPG सिलेंडर

पूर्णिया। सांसद पप्पू यादव ने बिहार के हॉस्टल और लॉज में रहकर पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। अब कॉलेज में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं, जो घर से दूर रहते हैं, छोटे LPG सिलेंडर लेकर आएंगे और उन्हें मुफ्त गैस भरवाई जा सकेगी। इसके लिए छात्र-छात्राओं को बस अपना कॉलेज परिचय पत्र प्रस्तुत करना होगा। सांसद ने इस सुविधा के लिए अपने सहयोगियों के मोबाइल नंबर भी जारी किए हैं, जो छात्रों की सहायता करेंगे। पप्पू यादव ने कहा कि यह योजना छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी दैनिक जरूरतों को सरल बनाने और उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा और सुविधा पर जोर देते हुए कहा कि आपात स्थिति में भी वे इस सुविधा का लाभ ले सकती हैं।

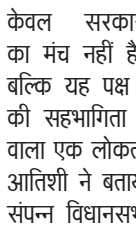

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का फैसला

दुश्मनों को रोक, बाकी जहाजों को मिली छूट

एजेंसी । नई दिल्ली/तेहरान

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अपना रुख नरम करते हुए घोषणा की है कि दुश्मन देशों के जहाजों को छोड़कर बाकी सभी जहाज इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजर सकते हैं। ईरान के प्रतिनिधि अली मौसवी ने बताया कि जो जहाज अमेरिका और इजराइल जैसे देशों से सीधे जुड़े नहीं हैं, वे ईरान के साथ सुरक्षा व्यवस्था तय करके इस मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ट्रंप की चेतावनी का असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुलना चाहिए। चेतावनी में कहा गया था कि ऐसा न होने पर अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स पर कार्रवाई कर सकता है। इसके बाद मौसवी ने कहा कि ईरान समुद्री सुरक्षा और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हालिया हमलों को इस संकट की मुख्य वजह बताया और स्पष्ट किया कि वह कूटनीति को प्राथमिकता देता है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि उस पर हो रहे हमले पूरी तरह बंद हों और भरोसा कायम रहे।

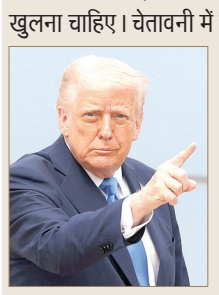

होर्मुज का महत्व और वैश्विक प्रभाव

28 फरवरी को ईरान ने इस प्रमुख समुद्री मार्ग को बंद कर दिया था। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एकमात्र मार्ग है और वैश्विक तेल सप्लाई का लगभग 20% और LNG का 22% इसी मार्ग से गुजरता है। खाड़ी के प्रमुख देशों सऊदी अरब, UAE, कुवैत और इराक का तेल फंसा हुआ है। युद्ध और हमलों के डर से कई जहाज होर्मुज से गुजरने से बच रहे हैं, जिससे वैश्विक तेल और गैस सप्लाई बाधित हुई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। अमेरिका अन्य देशों के साथ मिलकर इस मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कई नाटो देश सीधे संघर्ष में शामिल होने से बच रहे हैं।

कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर/बैरल के पार

दरअसल, मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट के बाधित होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जिससे दुनिया भर में महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। यह जलडमरूमध्य Persian Gulf को Arabian Sea से जोड़ने वाला एकमात्र महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके बिना खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस की आपूर्ति लगभग ठप हो सकती है। वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत और तरलीकृत प्राकृतिक गैस का लगभग 22 प्रतिशत इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए यहां किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करता है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का निर्यात प्रभावित हुआ है।

ओटीएस स्कीम में 111 करोड़ की वसूली, 8 हजार संपत्तियों पर कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी । चंडीगढ़

पंजाब सरकार की वैट बकाये के लिए एकमुश्त निपटान (ओटीएस) स्कीम को व्यापारियों का अच्छा समर्थन मिल रहा है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि अब तक 298.39 करोड़ रुपये के बकाये से जुड़े 7,845 आवेदन प्राप्त हुए हैं और 111.16 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने इसे पुराने टैक्स बोझ को खत्म करने और राजस्व बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। साथ ही चेतावनी दी कि यह राहत केवल 31 मार्च 2026 तक ही उपलब्ध है, जिसके बाद सरकार सख्त वसूली अभियान शुरू करेगी।

प्रमुख शहरों से मिला समर्थन

वित्त मंत्री ने बताया कि लुधियाना, अमृतसर, जालंधर, पटियाला और रोपड़ डिवीजनों से स्कीम को अच्छा प्रतिसाद मिला है। इन क्षेत्रों में व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी स्कीम के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है।

समय सीमा के बाद होगी सख्ती

हरपाल सिंह चीमा ने कारोबारियों से अपील की कि वे 31 मार्च से पहले अपने लंबित वैट बकाये का निपटान कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय सीमा समाप्त होने के बाद रियायती रुख खत्म हो जाएगा और बिना किसी छूट के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।सरकार ने इसके लिए करीब 8,000 संपत्तियों की पहचान भी कर ली है, जिन पर वसूली की कार्रवाई की जा सकती है।

व्यापारियों के लिए अंतिम अवसर

वित्त मंत्री ने कहा कि यह स्कीम विशेष रूप से पुराने वैट बकाये पर ब्याज और जुर्माने में बड़ी छूट देने के लिए लाई गई है। इसका उद्देश्य कारोबारियों को राहत देना, मुकदमेबाजी कम करना और राज्य की राजस्व प्रणाली को मजबूत बनाना है।उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार पारदर्शी और व्यापार-हितैषी नीतियों पर काम कर रही है, और यह स्कीम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

केसी त्यागी RLD में शामिल, जयंत चौधरी के साथ नई पारी

एजेंसी । नई दिल्ली

जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने रविवार को जयंत चौधरी की मौजूदगी में राष्ट्रीय लोक दल (RLD) की सदस्यता ग्रहण कर ली। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने औपचारिक रूप से पार्टी का दामन थामा। इससे पहले केसी त्यागी ने जनता दल (यूनाइटेड) से अलग होने का संकेत दे दिया था। उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान में हिस्सा नहीं लिया और अपनी सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया।

लंबा रहा राजनीतिक सफर

केसी त्यागी जदयू के गठन के समय से ही जुड़े रहे हैं। 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय के बाद बनी इस पार्टी में उन्होंने महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार जैसे अहम पदों पर कार्य किया।

नीतीश कुमार से रिश्ते बरकरार

अपने बयान में उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार के साथ उनका करीब 50 साल पुराना संबंध है, जो विभिन्न राजनीतिक चरणों से होकर गुजरा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनके विचार गरीबों, किसानों और कमजोर वर्गों के हितों के प्रति पहले जैसे ही मजबूत रहेंगे। दिल्ली के विट्ठलभाई पटेल हाउस में हुई बैठक में उन्होंने अपने समर्थकों के साथ चर्चा के बाद नई राजनीतिक भूमिका का ऐलान किया।

युद्धविराम के लिए वैश्विक अपील, मानवता को प्राथमिकता देने की मांग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क समुदाय ने विश्व नेताओं से मानवता को सर्वोपरि रखते हुए तत्काल युद्धविराम पर सहमत होने की अपील की है। समुदाय का कहना है कि युद्ध का प्रभाव केवल सीमित क्षेत्रों तक नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानव जीवन, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर गंभीर असर डाल रहा है। समुदाय ने कहा कि युद्ध के कारण निर्दोष लोगों की जान जा रही है, परिवार बिखर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियां मानसिक आघात का सामना कर रही हैं। साथ ही, पेट्रोलियम जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों की कमी से वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो रही है, जिसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते वायु, जल और भूमि प्रदूषण बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण को स्थायी नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा, देशों के बीच विश्वास में कमी आने से कूटनीतिक प्रयास भी कमजोर पड़ रहे हैं और शांति की संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं।

असम पुलिस कमांडो कैंप पर ग्रेनेड हमला, चार जवान घायल

एजेंसी । तिनसुकिया (असम)

तिनसुकिया जिला अंतर्गत जागुन के दस माइल इलाके में स्थित असम पुलिस कमांडो के कैंप पर आज तड़के लगभग दो बजे हुए ग्रेनेड हमले में चार जवान घायल हो गए। कैंप पर पांच ग्रेनेड फेंके गए और उसके बाद भारी गोलीबारी हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम, इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की इसमें संभावित भूमिका होने का शक है। बताया गया है कि कमांडो ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अरुणाचल प्रदेश के पास स्थित इस तनावपूर्ण चाय बागान क्षेत्र जिले में 30 मिनट तक जोरदार मुठभेड़ चली। चार जवान घायल हो गए, तीन को मामूली चोटें आईं और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। सभी को पास के एक अस्पताल में तुरंत मेडिकल सहायता दी गई।घायल कमांडो में जोरहाट के चित्रंजन मिली, देवाशीष बोरा और चाबुआ के रवि गर एवं एक अन्य शामिल हैं। पूर्वोत्तर में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच, तिनसुकिया में इस तरह की घटनाओं का पुराना इतिहास रहा है। हमलावरों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने तलाशी अभियान, नाकेबंदी और हवाई निगरानी तेज कर दी है। असम विधानसभा चुनाव के बीच इस तरह की घटना से सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

बापू सभागार में गूंजा 'लेट्स इंस्पायर बिहार' का संकल्प

5वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शंखनाद

एजेंसी । पटना

लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान ने पटना स्थित बापू सभागार में अपने 5वें स्थापना दिवस का भव्य समारोह आयोजित किया। बिहार सांस्कृतिक पुनर्जागरण महासभा की थीम के तहत यह कार्यक्रम ऐतिहासिक और अत्यंत सफल रहा, जिसमें लगभग 5,000 लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक विकास वैभव, आईपीएस ने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि अभियान से जुड़े लोगों की संख्या चौथी वर्षगांठ में 1.85 लाख थी, जो अब बढ़कर 3.55 लाख हो गई है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आगामी वर्ष में 10 लाख लोगों को जोड़ने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

बिहार की ऐतिहासिक विरासत पर जोर

विकास वैभव ने कहा कि बिहार ने न केवल भारत, बल्कि विश्व को ज्ञान और बुद्धिमत्ता का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा और विक्रमशिला विश्वविद्यालय इसके उदाहरण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार का विकास भारत की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है और राज्य में किसी को भी शिक्षा, स्वास्थ्य या रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने बिहार @ 2047 विजन कॉन्क्लेव में जारी विजन डॉक्यूमेंट का उल्लेख करते हुए इसे राज्य के दीर्घकालिक विकास का रोडमैप बताया।